दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

वर्ष : 3 अंक : 214 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, गुरुवार 20 अगस्त, 2026 www.sakarbharat.com

राष्ट्रपति भवन में गूंजी धमतरी के मांदर की थाप

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सोंधी माटी की महक और उसकी समृद्ध आदिवासी संस्कृति की गूंज इस स्वतंत्रता दिवस पर देश की राजधानी के सबसे गरिमामयी मंच तक जा पहुंची। अवसर था 15 अगस्त का और गवाह बना राष्ट्रपति भवन का प्रतिष्ठित सेंट्रल हॉल, जहां धमतरी जिले के नगरी विकासखंड के सुदूर गांव सरईटोला (गुडरापार) के कलाकारों ने अपनी मांदरी नृत्य की ऊर्जावान प्रस्तुति से समां बांध दिया। 'जय गढ़िया बाबा आदिवासी लोक मांदरी नृत्य दल' के इस प्रदर्शन ने न केवल राष्ट्रपति भवन में मौजूद गणमान्य अतिथियों का दिल जीता, बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ की लोककला का परचम राष्ट्रीय पटल पर लहरा दिया।

पारंपरिक वेशभूषा, रंग-बिरंगे आभूषणों और गुट्टा मांदर की थाप के साथ जब सरईटोला के कलाकारों ने मंच संभाला, तो पूरा वातावरण छत्तीसगढ़ी लोक-आत्मा के रंगों में सराबोर हो गया। फसल कटाई के उल्लास, सामाजिक सरोकारों और पीढ़ियों से संजोई जनजातीय जीवन शैली को दर्शाती इस प्रस्तुति ने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह नृत्य केवल एक कलात्मक प्रस्तुति नहीं, बल्कि लोक-स्मृतियों और सामुदायिक पहचान का जीवंत प्रदर्शन बन गया। दल के सचिव रूपराय नेताम ने इस ऐतिहासिक पल को साझा करते हुए बताया कि दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (नागपुर) द्वारा दल की मौलिकता और कला-साधना को परखते हुए स्वतंत्रता दिवस के इस विशेष कार्यक्रम के लिए चयन किया गया था।

स्वामित्व से सशक्तिकरणः धमतरी ने रचा नया कीर्तिमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में एक मौन क्रांति आकार ले रही है। दशकों से अपनी ही ज़मीन और आशियाने पर बिना किसी ठोस कानूनी दस्तावेज़ के रह रहे हज़ारों परिवारों के लिए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'स्वामित्व योजना' एक नया सवेरा लेकर आई है। इस योजना के सटीक, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के मामले में धमतरी जिले ने पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल कर एक शानदार मिसाल कायम की है।

धमतरी के गांवों में आज उत्साह का माहौल है। जब जिले के 50 हजार से अधिक पात्र परिवारों के हाथों में उनकी आबादी भूमि का अधिकार अभिलेख (प्रॉपर्टी कार्ड) पहुँचा, तो वर्षों से अपने ही घर के मालिकाना हक को लेकर मन में बनी असमंजस की स्थिति हमेशा के लिए समाप्त हो गई।

धमतरी जिले की इस बड़ी सफलता के पीछे आधुनिक तकनीक और प्रशासनिक मुस्तैदी का बेजोड़ समन्वय रहा है। सर्वे ऑफ इंडिया' के तकनीकी सहयोग से जिले के 501 राजस्व ग्रामों में ड्रोन फ्लाइंग का कार्य सफलता पूर्वक पूरा कराया गया।

देशभर में माय भारत से जुड़े 2.65 करोड़ से अधिक युवा, छत्तीसगढ़ में 6.60 लाख से अधिक पंजीकृत

युवाओं की ऊर्जा और रचनात्मकता से बनेगा विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ : सीएम विष्णु देव साय

रायपुर। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, रचनात्मकता तथा नवाचार की क्षमता ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं को उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप अवसर देकर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से व्यापक रूप से जोड़ना होगा। युवाओं को सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों से जोड़ने से उनमें नेतृत्व क्षमता, सेवा भाव, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना मजबूत होगी।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित 'मेरा युवा भारत' (माय भारत) की प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में माय भारत की गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं को इस मंच से जोड़ने और विभिन्न विभागों की गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का प्रत्येक युवा विकास की मुख्यधारा से जुड़े और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। इसी उद्देश्य से 'मेरा युवा भारत' जैसे व्यापक मंच की शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री युवाओं के विचारों, आकांक्षाओं और गतिविधियों में विशेष रुचि लेते हैं तथा युवा शक्ति को विकसित भारत के संकल्प का प्रमुख आधार मानते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज का युवा तकनीक और डिजिटल माध्यमों के जरिए पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ है। उसकी सोच व्यापक है, उसमें नवाचार की क्षमता है और वह तेजी से बदलाव को आत्मसात कर सकता है। युवाओं की यही ऊर्जा सकारात्मक और राष्ट्रहित के कार्यों में लगे, इसके लिए उन्हें सही दिशा, अवसर और मंच उपलब्ध कराना आवश्यक है। आने वाले वर्षों में यही युवा देश और प्रदेश का नेतृत्व करेंगे, इसलिए उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के लिए अभी से सुनियोजित प्रयास किए जाने चाहिए।

हर क्षेत्र में युवाओं को मिलें सेवा और नेतृत्व के अवसर

मुख्यमंत्री साय ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, खेल, पर्यावरण संरक्षण, सिविक सेंस, इतिहास, पर्यटन, कौशल विकास, कृषि, तकनीकी शिक्षा, आपदा प्रबंधन और सामाजिक कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की भूमिका बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में युवा शक्ति का सहयोग उपयोगी हो सकता है, वहां माय भारत के माध्यम से उन्हें अवसर दिए जाएं। इससे एक ओर युवाओं को व्यावहारिक अनुभव मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उनकी ऊर्जा और रचनात्मकता का समाज और प्रदेश के हित में बेहतर उपयोग होगा। मुख्यमंत्री साय ने 'सशक्त युवा-सशक्त छत्तीसगढ़' की भावना के अनुरूप ग्राम से लेकर राज्य स्तर तक मजबूत समन्वय और युवा नेटवर्क विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रतिभा को पहचानना, उन्हें अवसर देना और नेतृत्व के मंच उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। डिजिटल डिटॉक्स, सेवा भाव, सामाजिक जुड़ाव और सामुदायिक उत्तरदायित्व से संबंधित गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाए।

माय भारत से देशभर में जुड़े 2.65 करोड़ से अधिक युवा

बैठक में बताया गया कि 'मेरा युवा भारत' युवाओं को सरकार, समाज और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने वाला डिजिटल एवं भौतिक मंच है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2023 को इसका शुभारंभ किया था। वर्तमान में देशभर में 2.65 करोड़ से अधिक युवा माय भारत प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं। छत्तीसगढ़ में भी 6.60 लाख से अधिक युवा इस मंच से जुड़ चुके हैं।

SHORT NEWS

बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता:सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीनियर सिटीजन्स अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए। हर व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पलट दिया, जिसमें बेटे और बहू को मकान से बेदखल करने के ट्रिब्यूनल कोर्ट के आदेश को रद्द किया गया था। कोर्ट ने कहा कि बुजुर्गों की गरिमा के लिए ट्रिब्यूनल के पास बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश देने का अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि कानून का मकसद बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा तय करना है। सभ्य समाज का स्तर अक्सर इस बात से तय होता है कि वह अपने बुजुर्गों को कितनी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा देता है।

सीएम विजय ने विधायकों के लिए नई गाड़ी की घोषणा

तमिलनाडु । सीएम विजय की ओर से सभी विधायकों के लिए नई गाड़ियों की घोषणा के बाद विधानसभा में TVK विधायक सिंधु ने गाना गाकर उनका धन्यवाद किया। उन्होंने तमिल सुपरस्टार MGR का मशहूर गीत 'कोडुत्तदेलाम कोडुत्तान' गाकर सीएम विजय के प्रति आभार जताया। इसके साथ ही विधायकों को हर महीने 1 लाख का भत्ता देने की घोषणा की गई। विजय ने कहा कि इससे विधायक पारदर्शी और बेहतर शासन के लिए ईमानदारी से काम कर सकेंगे। विजय ने मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत बीमा कवर 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए सालाना करने का ऐलान किया।

एक जनवरी से राज्य के सभी अस्पतालों को डिजिटल करने का लक्ष्य लेकर करें कामः मंत्री जायसवाल

रायपुर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन कार्यशाला का शुभारंभ किया। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में आयोजित आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की मॉडल डिस्ट्रिक्ट इनिशिएटिव कार्यशाला में राज्य की डिजिटल हेल्थ प्रगति की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

कार्यशाला में बताया गया कि **ABDM** का सबसे नागरिक-केंद्रित हिस्सा **ABHA** (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) है, जिसके ज़रिए नागरिक अपनी जांच रिपोर्ट, प्रिस्क्रिप्शन और अन्य स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रख सकते हैं और अपनी सहमति से डॉक्टरों के साथ साझा कर सकते हैं। राज्य में अब तक 2.63 करोड़ नागरिकों के क्ष। बनाए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य पेशेवरों के पंजीकरण के लिए बनी हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री से राज्य में 34 हजार से अधिक स्वास्थ्य पेशेवर जुड़ चुके हैं, जबकि हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री के माध्यम से अस्पताल, क्लिनिक, लैब और ब्लड बैंक जैसे 12 हजार से अधिक स्वास्थ्य संस्थान नेटवर्क से जुड़ गए हैं।

कार्यशाला में कहा गया कि BDM-सक्षम **HMIS** के प्रभावी उपयोग से मरीज़ों का पूरा रिकॉर्ड — पंजीयन से लेकर उपचार और डिस्चार्ज तक — डिजिटल रूप में दर्ज होगा। इससे मेडिकल रिकॉर्ड की जांच आसान होगी, क्लेम प्रोसेसिंग में लगने वाला समय घटेगा और ऑडिट-वेरिफिकेशन अधिक व्यवस्थित होगा।

नवा रायपुर में करेंसी डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर स्थापित करने की दिशा में पहल

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी से आज रायपुर स्थित उनके निवास पर भारतीय रिज़र्व बैंक, रायपुर कार्यालय के महाप्रबंधक मनीष पराशर ने शिष्टाचार भेंट की। प्रभारी अधिकारी का कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात हुई इस मुलाकात में छत्तीसगढ़ में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं के विस्तार, मुद्रा प्रबंधन तथा भारतीय रिज़र्व बैंक से संबंधित विभिन्न विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई।

बैठक के दौरान वर्तमान में नागपुर से होने वाले करेंसी डिस्ट्रीब्यूशन को नवा रायपुर में स्थापित करने की दिशा में की जा रही महत्वपूर्ण पहल पर भी चर्चा हुई। नवा रायपुर में करेंसी डिस्ट्रीब्यूशन की व्यवस्था विकसित होने से राज्य में मुद्रा प्रबंधन और बैंकिंग सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

पराशर ने वित्त मंत्री को राज्य में बैंकिंग सेवाओं तथा मुद्रा प्रबंधन को बेहतर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक, रायपुर कार्यालय में हाल ही में प्रारंभ की गई सॉइल्ड नोट्स के स्थानीय प्रसंस्करण की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी साझा की गई। इस सुविधा से प्रचलन से वापस प्राप्त अनुपयोगी एवं खराब हो चुके नोटों का प्रसंस्करण अब स्थानीय स्तर पर किया जा सकेगा।मुलाकात के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक की प्रस्तावित नवीन आवासीय परियोजना तथा इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श हुआ।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने इन पहलों की जानकारी प्राप्त करते हुए राज्य शासन की बैंकिंग प्रणाली से जुड़ी अपेक्षाओं को साझा किया।

नवा रायपुर में ई-बसों के संचालन, कार्यालय भवन निर्माण सहित सड़क परियोजनाओं के प्रस्तावों पर हुआ विचार-विमर्श

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नवा रायपुर अटल विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) एवं लोक निर्माण विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा एवं विचार-विमर्श किया गया।

नवा रायपुर में चलेंगी ई-बसें

बैठक में एनआरडीए के अंतर्गत कंप्लायंट बैटरी ऑपरेटेड मोटर एसी-ई बसों के डिजाइन, प्रोक्योरमेंट, सप्लाई, परिचालन एवं संधारण के लिए ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर निविदा आमंत्रित किए जाने के प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा हुई। परियोजना के विभिन्न तकनीकी एवं क्रियान्वयन संबंधी पहलुओं की समीक्षा की गई। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के कार्यालय सहित अन्य कार्यालय भवनों के निर्माण कार्य से संबंधित प्रस्ताव पर भी विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने परियोजना की आवश्यकताओं एवं निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत की।

विष्णुभोग की खुशबू और बहनों के हुनर से सजी खास राखी

रायपुर। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले की बिहान महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें जिले की पहचान विष्णुभोग चावल तथा विष्णुभोग धान से तैयार की गई विशेष राखी भेंट की।

स्थानीय संसाधनों से तैयार इन उत्पादों को देखकर साहू ने बिहान समूह की महिलाओं की रचनात्मकता, मेहनत और आत्मनिर्भरता की भावना की सराहना की। उन्होंने महिलाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों को नए रूप में प्रस्तुत कर आजीविका के अवसर तैयार करने की पहल को प्रेरणादायी बताया।

बिहान समूह की महिलाओं द्वारा विष्णुभोग धान से तैयार की गई विशेष राखी स्थानीय संस्कृति, रचनात्मकता और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम है। पारंपरिक पर्व रक्षाबंधन को जिले के स्थानीय कृषि उत्पाद से जोड़ते हुए तैयार की गई यह राखी न केवल एक हस्तनिर्मित उत्पाद है, बल्कि स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता का भी उदाहरण प्रस्तुत करती है।

विष्णुभोग धान जिले की विशिष्ट पहचान से जुड़ा उत्पाद है। महिलाओं ने इसी स्थानीय पहचान को अपनी रचनात्मकता से जोड़कर एक ऐसा उत्पाद तैयार किया है, जो स्थानीय संस्कृति और आजीविका दोनों को एक साथ बढ़ावा देता है। बिहान से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार और अतिरिक्त आय के अवसर मिल रहे हैं तथा वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में योगदान दे रही हैं। विष्णुभोग चावल और उससे जुड़े स्थानीय उत्पादों को आकर्षक स्वरूप देकर बाजार तक पहुंचाने की दिशा में महिला समूहों की पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की क्षमता रखती है। ऐसी गतिविधियां महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

चोरी गए मुकुट व आभूषणों की वापसी के बाद विधिवत शुद्धिकरण एवं पुनः श्रृंगार

ग्राम महंत के मां चंडी दाई मंदिर में पुनः सजा मां का श्रृंगार

जांजगीर-चांपा । नवागढ़ क्षेत्र के ग्राम महंत स्थित प्रसिद्ध मां चंडी दाई मंदिर में आज श्रद्धा, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। कुछ दिन पूर्व मंदिर से मां के सिर पर सजे चांदी के मुकुट एवं सोने के आभूषण चोरी होने की घटना के बाद जांजगीर-चांपा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की गई सामग्री बरामद कर ली थी। पुलिस की इसी कार्रवाई के बाद सोमवार 17 अगस्त को पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में एसडीओपी चांपा लौकेश बंसल, डीएसपी अजाक श्रीमती सतरूपा तारम, थाना प्रभारी नवागढ़ मणिकांत पाण्डेय, गणमान्य नागरिक देवेश सिंह सहित पत्रकार साथी एवं ग्रामीणजन की उपस्थित में मां चंडी दाई के चोरी गए मुकुट एवं आभूषणों को न्यायालय से सुपुर्दनामा में प्राप्त कर विधिवत शुद्धिकरण कराया गया और पूरे विधि- विधान एवं श्रद्धा के साथ मां चंडी दाई का पुनः भव्य श्रृंगार किया गया।

भरम बाबा से निकली भव्य शोभायात्रा

इस अवसर पर भरम बाबा मंदिर से मां चंडी दाई मंदिर तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में पुलिस बैंड की मधुर धुनों के साथ श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों में खासा उत्साह नजर आया। पुलिस अधिकारी, गणमान्य नागरिक, पत्रकार साथी एवं ग्रामीणजन शोभायात्रा में शामिल हुए और मां चंडी दाई के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। पुलिस की कार्रवाई से लौटी श्रद्धालुओं की आस्था मंदिर में चोरी की घटना से जहां ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं में चिंता का माहौल था, वहीं पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आरोपियों की गिरफ्तारी एवं चोरी की गई सामग्री की बरामदगी ने लोगों में विश्वास और सुरक्षा की भावना को और मजबूत किया। आज मां का पुनः श्रृंगार होने के साथ मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था और उल्लास फिर से देखने को मिला।

ग्राम महंत में महिला कमांडो टीम का गठन

कार्यक्रम के दौरान सामुदायिक पुलिसिंग की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए ग्राम महंत की सक्रिय महिलाओं को जोड़कर महिला कमांडो टीम का गठन किया गया। महिला कमांडो ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, अपराधों के प्रति जागरूकता तथा पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी

18 से 22 घंटे 40 मिनट में सुल्तानगंज से बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचे भक्त

खरसिया । भगवान भोलेनाथ की भक्ति में आस्था और संकल्प जुड़ जाए तो कठिन राह भी आसान हो जाती है। इसका प्रमाण खरसिया के 17 युवाओं ने दिया। नाग पंचमी के पावन अवसर पर इन युवाओं ने बिहार के सुल्तानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर झारखंड के बाबा बैद्यनाथ धाम तक लगभग 115 किलोमीटर की डाक कांवड़ यात्रा पैदल पूरी की। इस कठिन यात्रा को युवाओं ने महज 18 घंटे से 22 घंटे 40 मिनट के बीच पूरा किया। यह यात्रा केवल शारीरिक क्षमता की नहीं, बल्कि अटूट आस्था, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गई।

रास्ते की थकान को दी मात

सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बाबा धाम तक पहुंचना बेहद चुनौतीपूर्ण माना जाता है। लगातार पैदल चलना, मौसम और थकान के बावजूद युवाओं ने अपने संकल्प को डिगने नहीं दिया। बोल बम के जयकारों के साथ उन्होंने यह दूरी तय कर बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

रिकॉर्ड समय में पूरी की यात्रा

इस दल में पवन शर्मा ने 18 घंटे, रजत शर्मा व राघव कबुलपुरिया ने 18=30 घंटे, प्रज्वल तिवारी व सौरभ शर्मा ने 19 घंटे, राहुल, अमन शर्मा व महेश अग्रवाल ने 20 घंटे, महेंद्र अवस्थी ने 22 घंटे, कृष्ण अग्रवाल ने 21 घंटे, दीपक जैन व शुभम अग्रवाल ने 22=30 घंटे और मनीष गर्ग ने 22=40 घंटे में डाक कांवड़ चढ़ाई।

मनीष गर्ग की यह इस सावन की दूसरी और कुल 12वीं डाक कांवड़ है। वहीं सौरभ शर्मा की भी यह सावन की दूसरी डाक कांवड़ रही। दल में विवेक अग्रवाल और दिलीप मेहंदी भी शामिल थे। युवाओं की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। लोगों ने उनकी आस्था और मेहनत की सराहना की।

भटकी हुई 12 वर्षीय बालिका की पहचान के लिए पुलिस ने आमजन से मांगी मदद

सूरजपुर । ग्राम चैनपुर में भटकते हुए मिली लगभग 12 वर्षीय बालिका की पहचान के लिए जिला प्रशासन एवं बाल संरक्षण विभाग ने आमजन से सहयोग की अपील की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 अगस्त 2026 की रात्रि ग्राम चैनपुर, थाना झिलमिली, जिला सूरजपुर में एक लगभग 12 वर्षीय बालिका भटकते हुए मिली। पुलिस थाना झिलमिली द्वारा बालिका को संरक्षण में लेकर आवश्यक कार्यवाही की गई। इसके बाद 17 अगस्त 2026 को महिला आरक्षक, पुलिस थाना झिलमिली द्वारा बालिका को आवश्यक कार्यवाही हेतु बाल कल्याण समिति, के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति द्वारा बालिका का नाम गौरी रखा गया है। वर्तमान में बालिका अपने संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रही है, जिसके कारण उसके परिजनों एवं निवास स्थान की पहचान नहीं हो सकी है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विकास विभाग, सूरजपुर ने आम नागरिकों से अपील की है ।

गायत्री दीप महायज्ञ में सनातन के पांच आधारों का संदेश, नशामुक्त जीवन का लिया संकल्प

डोंगरगढ़ । अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में छिरपानी परिसर स्थित मां बम्लेश्वरी धर्मशाला में गायत्री दीप महायज्ञ का आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी आयोजन संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चारण, दीप प्रज्वलन, आरती और सत्संकल्प के माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं ने भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक सद्भाव का संदेश ग्रहण किया।

कार्यक्रम का संचालन गायत्री परिवार के जिला प्रमुख जयप्रकाश सिन्हा ने किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने सनातन परंपरा के पांच महत्वपूर्ण आधार गौ, गंगा, गीता, गोविंद एवं गायत्री के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन, संस्कार, सेवा और सदाचार की प्रेरणा भी हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आध्यात्मिक चेतना के साथ युवा पीढ़ी को संस्कार, संयम और सकारात्मक जीवनशैली से जोड़ना समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ दीप यज्ञ संपन्न कराया गया। दीप यज्ञ में प्रज्ज्वलित दीपों को ज्ञान, सद्बुद्धि, आत्मशुद्धि और समाज में सकारात्मक ऊर्जा के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में नीलिमा सिन्हा द्वारा आरती का सामूहिक गान कराया गया, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान सत्संकल्प पाठ कराया गया। उपस्थित लोगों ने जीवन में किसी भी प्रकार का नशा नहीं करने तथा स्वस्थ, संयमित एवं संस्कारयुक्त जीवन जीने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि नशामुक्ति केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि परिवार की खुशहाली और समाज की मजबूती से भी जुड़ा हुआ है। ऐसे सामूहिक संकल्प सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजन को सफल बनाने में गायत्री परिवार डोंगरगढ़ के सतीश यादव, अजय यादव, ज्योतिष यादव, प्रकाश धनकर, देविका साहू, लक्ष्मी लाल साहू, आशा ताम्रकार, राहुल देवगन एवं संतोष देवांगन का सराहनीय योगदान रहा।

शक्कर-गुड़ के दाम में लगी आग, त्योहारों से पहले बढ़ी महंगाई

भाटापारा । त्योहारी सीजन के शुरु होते ही शक्कर और गुड मे एक तरफा तेजी का रूख हो गया है गुड और शक्कर के भाव सुनकर उपभोक्ताओं के होश उड गये हैं खुले बाजार मे शक्कर 60रू किलो व गुड 70 रू किलो जा पहुंचा है शक्कर और गुड मे अचानक एक माह मे इतनी तेजी का कारण स्पष्ट नही हो पा रहा है उपर जहां से शक्कर गुड आता है वहीं से बढे भाव मे आ रहा है वहीं दूसरी ओर इसकी आपूर्ति भी कम हो रही है और मांग बढ रही है वही रक्षा बंधन का त्योहार भी सप्ताह भर मे आने वाला है और इसके बाद लगातार त्योहारों का क्रम लगातार जारी रहेगा ।वहीं शक्कर किराना व्यापारी का कहना है कि शक्कर और गुड मे बीते कई वर्षो बाद इतनी तेजी का रूख देखा जा रहा है इतनी तेजी कभी नही रही वहीं व्यापारी यह भी मान रहे हैं कि दीपावली तक शक्कर का भाव 75 रूपये किलो भी हो जाये तो कोई बडी बात नही क्योंकि शक्कर चाय काफी से लेकर मिठाई बनाने के साथ और भी कई तरह के उपयोग मे आती है वही गुड भी लोगो की पसंद बन चुकी है गुड की चाय भी लोगो की पसंद हो गई है जिसके चलते कई होटलो मे गुड की चाय ग्राहको की डिमांड पर बनायी जाती है गुड मे भेली वाले गुड को लोग ज्यादा पसंद करते है जो अभी 70 रूपये किलो बिक रहा है अगर इसी तरह तेजी बनी रही तो गुड का भाव भी 80 रूपये से पार हो जायेगा दूसरी ओर जो गन्ना गुड शक्कर के लिए ज्यादातर उपयोग होता है वही अब एथेनॉल बनाने के लिए जाने की वजह से भी शक्कर गुड के भाव मे 15 से 20 रूपये की तेजी का कारण हो सकता है ।

शक्कर गुड जो कि हर घर मे उपयोग मे आने वाली चीज है ,वही व्यापारी भी नित प्रतिदिन बढती कीमतो को लेकर चिंतित है उन्हे ग्राहको को समझाने मे मशक्कत करनी पडती है बीते दो तीन दिनो मे शक्कर मे 2 से 3 रूपये की बढोत्तरी हुई है।

संरक्षक मंडल के अनुमोदन पश्चात प्रेस क्लब की कार्यकारिणी घोषित

वरिष्ठों के साथ युवाओं को भी मिला प्रतिनिधित्व

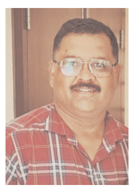

राजनांदगांव । बहु प्रतिक्षित प्रेस क्लब राजनंदगांव की आज नई कार्यकारिणी का गठन संरक्षक मंडल के अनुमोदन के पश्चात कर दिया गया है। प्रेस क्लब भवन में आयोजित किए गए संरक्षक मंडल की बैठक में कार्यकारिणी को अंतिम रूप दिया गया। इस कार्यकारिणी में वरिष्ठ जनों के साथ-साथ युवाओं को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है।बैठक में संरक्षक मंडल के प्रमुख रूप से सुशील कोठारी, श्याम खंडेलवाल, दीपक बुद्धदेव, अशोक पांडे, सीएल. जैन सोना, पुरुषोत्तम तिवारी एवं जितेंद्र मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे।बैठक में प्रेस क्लब के अध्यक्ष सचिन अग्रहरि एवं प्रेस क्लब हाउसिंग बोर्ड समिति के अध्यक्ष मिथिलेश देवांगन के साथ-साथ प्रेस क्लब के सचिव अनिल त्रिपाठी , कोषाध्यक्ष बसंत शर्मा भी मौजूद रहे। संरक्षक मंडल से विचार विमर्श और उनकी सहमति के बाद कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप मेश्राम को बनाया गया है। उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी अनुपम ठाकुर और विक्रम वाजपेई को दी गई है। सह सचिव अजय सोनी, प्रमोद सेड़े और रूपेश गुप्ता होंगे। संगठन सचिव में दीपांकर खोबरागड़े, और ऋषि सिंहा, तथा साहित्य प्रभारी डॉक्टर सूर्यकांत मिश्रा और आत्माराम कोशा, होंगे। प्रचार प्रसार प्रभारी दीपक साहू तथा लोकेश शर्मा, खेल प्रभारी सूरज यदू, योगेश शर्मा, होंगे। सांस्कृतिक प्रभारी गोविंद साहू तथा शुभम उपाध्याय, विधि सलाहकार विमल हाजरा और मनीष तिवारी होंगे। कार्यकारिणी में अशोक श्रीवास्तव, उमाशंकर शर्मा, महेंद्र सोनी, प्रशांत ईमलकर,रवि ठाकुर,अखिलेश खोबरागड़े, लता घोषाल ,संतोष दुबे, ललित ठाकुर और अमित चटर्जी को शामिल किया गया है। नई कार्यकारिणी अब प्रेस क्लब की गतिविधियों एवं पत्रकार हितों के लिए कार्य करेगी। बैठक में कार्यकारिणी गठन के साथ-साथ नए सदस्यों को भी प्रेस क्लब में शामिल करने का अनुमोदन कर लिया गया है। इस बैठक में प्रेस क्लब से मिलिए कार्यक्रम के साथ-साथ संगोष्ठी का आयोजन कराने और अन्य गतिविधियों के संबंध में भी विस्तार से विचार विमर्श किया गया है।

सड़कों पर मवेशियों का डेरा, गोठान वीरान

जांजगीर समेत जिलेभर में रोज बन रही हादसों की वजह, एनएच-49 पर मवेशियों का जमावड़ा

जांजगीर। बारिश थमते ही जिले की सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा फिर बढ़ गया है। जिला मुख्यालय जांजगीर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक सड़कें मवेशियों के बैठने का ठिकाना बनती जा रही हैं। खासकर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-49 पर शहर से बाहर निकलते ही सड़क पर जगह-जगह मवेशियों का झुंड नजर आता है। शक्ति और बिलासपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर भी नेशनल हाईवे के दोनों किनारों पर मवेशियों का डेरा हादसों का खतरा बढ़ा रहा है।

रफ्तार के बीच अचानक सामने आ जाते हैं मवेशी हाईवे पर वाहनों की तेज रफ्तार के बीच सड़क पर बैठे मवेशी कभी भी अचानक वाहन के सामने आ जाते हैं। इससे वाहन चालकों को ब्रेक लगाना पड़ता है और कई बार दुर्घटना की स्थिति बन जाती है। रात के समय सड़क पर बैठे मवेशी और भी ज्यादा खतरनाक साबित होते हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद सड़कों से मवेशियों को हटाने और उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखने की स्थायी व्यवस्था अब तक कारगर नहीं हो सकी है।

गोठान वीरान, सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में गांव-गांव में सरकारी जमीन को खाली कराकर गोठान बनाए गए थे। इन गोठानों में मवेशियों को रखने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन वर्तमान में अधिकांश गोठान उपयोगविहीन नजर आ रहे हैं। इसके चलते पशुपालकों के सामने मवेशियों को रखने की समस्या बनी हुई है और इसका सीधा असर सड़कों पर दिखाई दे रहा है।

गांव से शहर और शहर से गांव खदेड़े जा रहे मवेशी धान की फसल खेतों में होने के कारण ग्रामीण अपने मवेशियों को फसल नुकसान से बचाने के लिए शहर की ओर छोड़ रहे हैं। कई जगह ग्रामीण मवेशियों को वाहनों में भरकर शहर की सीमा के आसपास छोड़ देते हैं। दूसरी ओर नगरीय निकायों द्वारा पकड़े गए मवेशियों को गांवों की ओर छोड़े जाने की बात सामने आती है। ऐसे में मवेशी गांव और शहर के बीच लगातार खदेड़े जा रहे हैं।

धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में निकली विशाल शाही कांवड़ यात्रा, हजारों शिवभक्त हुए शामिल

जांजगीर-चांपा । धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में सावन के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ की भक्ति और सनातन संस्कृति की भव्य झलक देखने को मिली। नगर में आयोजित विशाल शाही कांवड़ यात्रा में हजारों की संख्या में शिवभक्त शामिल हुए। बाबा घाट से जल भरकर निकली कांवड़ यात्रा में भक्ति,आस्था और उत्साह का ऐसा संगम देखने को मिला कि पूरा नगर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंज उठा।

विशाल कांवड़ यात्रा का शुभारंभ बाबा घाट से जल भरकर किया गया। श्रद्धालु कांवड़ में पवित्र जल लेकर बाजे-गाजे और डीजे की धुन के साथ यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और भक्ति दिखाई दी। बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी कांवड़ यात्रा का हिस्सा बने।

कांवड़ यात्रा में डीजे और धुमाल की गूंज ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। शिवभक्त भगवान भोलेनाथ के भजनों और धार्मिक गीतों पर जमकर झूमते नजर आए। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा भगवान शिव के जयकारे लगाए गए। हर-हर महादेव, बम-बम भोले और भारत माता की जय जैसे जयघोष से पूरा नगर गुंजायमान रहा।

शाही कांवड़ यात्रा के दौरान धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में जमकर आतिशबाजी भी की गई। आसमान में रंग-बिरंगी आतिशबाजी का नजारा श्रद्धालुओं और नगरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। कांवड़ यात्रा के स्वागत और उत्साह में नगर का वातावरण पूरी तरह उत्सवमय नजर आया।

कचरा ई-रिक्शा के बाद डॉग कैचिंग वाहन भी बदहाल, शासकीय वाहनों की निगरानी पर उठे सवाल

बलौदाबाजार । नगर पालिका परिषद के शासकीय वाहनों के संचालन और रखरखाव को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कचरा संग्रहण ई-रिक्शा के कथित गैर-शासकीय उपयोग के बाद अब डॉग कैचिंग एवं वैक्सीनेशन के लिए उपलब्ध कराया गया वाहन क्षतिग्रस्त हालत में गैरेज में खड़ा मिला है। वाहन का अगला हिस्सा, बॉडी, विंडशील्ड और दरवाजा क्षतिग्रस्त हैं। नेता प्रतिपक्ष एवं पार्षद शेख सलमान ने मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि वाहन किसके आदेश पर बाहरी टीम को दिया गया, इसे कौन चला रहा था और चालक के पास वैध लाइसेंस था या नहीं, इसकी जांच जरूरी है। उन्होंने नाबालिग द्वारा वाहन चलाए जाने की जानकारी की भी जांच कराने की मांग की। सलमान ने वाहन की लॉगबुक, मूवमेंट रजिस्टर और ड्यूटी रिकॉर्ड की जांच, क्षति का तकनीकी मूल्यांकन तथा जिम्मेदारी तय कर नियमानुसार वसूली की कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि शासकीय वाहनों का अनधिकृत उपयोग जनता के धन और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। कचरा ई-रिक्शा और डॉग कैचिंग वाहन दोनों मामलों की समग्र जांच कर वाहन संचालन व्यवस्था पारदर्शी बनाने की जरूरत है।

हल के बजाय ट्रैक्टर से होने लगी खेती-किसानी का काम

जांजगीरचांपा खरीफ सीजन में धान की खेती को लेकर गांवों में कभी खेतों की मेड़ पर बैलों की घंटियां और हल चलाते किसानों की तस्वीर आम हुआ करती थी। धान की बोनी के बाद बियासी के समय किसान बैलों की जोड़ी लेकर खेतों में उतरते थे। लेकिन बदलते समय के साथ खेती का यह पारंपरिक दृश्य अब धीरे-धीरे गायब होता जा रहा है। हल और बैलों की जगह ट्रैक्टर ने ले ली है और बियासी की पारंपरिक पद्धति भी किसानों की खेती से दूर होती जा रही है।

धान की खेती में बियासी छत्तीसगढ़ की पुरानी कृषि परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। धान की बोनी के करीब एक महीने बाद खेत में पर्याप्त नमी होने पर किसान हल चलाकर बियासी करते थे। इससे खेत की मिट्टी कुछ ढीली होती थी, उग आए खरपतवार नष्ट होते थे और धान के पौधों को दोबारा फैलने का अवसर मिलता था। इसके बाद किसान खेत में निंदाई कर फसल की देखभाल करते थे।

कुंजबिहारी साहू किसान स्कुल बहेराडीह के संचालक दीनदयाल यादव ने बताया कि पहले गांवों में अधिकांश किसानों के पास बैल और हल हुआ करते थे। बियासी, जुताई और अन्य कृषि कार्य बैलों की मदद से किए जाते थे। इसमें किसान परिवार के सदस्य स्वयं खेत में श्रम करते थे। अब कृषि कार्यों में ट्रैक्टर और अन्य मशीनों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। कम समय में अधिक क्षेत्र की जुताई होने के कारण किसान ट्रैक्टर को प्राथमिकता देने लगे हैं। सिवनी के प्रगतिशील किसान रामाधार देवांगन, बहेराडीह के पशु सखी पुष्पा यादव, कृषि सखी शशि कर्ष,मड़वा गांव के कृषि सखी भारती साहू व बुढ़ना के पशु सखी पूर्णिमा यादव का कहना है कि पहले एक खेत में बियासी करने में काफी समय और श्रम लगता था।

सेवा सेतु से मिली समय पर सेवा, तीन दिवस में जारी हुआ आय प्रमाण पत्र

सूरजपुर। शासन द्वारा नागरिक सेवाओं को सरल, सुगम एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में सेवा सेतु पोर्टल महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पोर्टल एवं आधार सेवा केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों में सुधार सहित विभिन्न सेवाएं समय पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे नागरिकों को शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिल रही है और सेवाओं की पहुंच भी आसान हुई है।

गौरतलब है कि ग्राम महगवां, तहसील सूरजपुर निवासी सुरेश चन्द कुर्रे ने अपनी पुत्री परिधि कुर्रे के लिए आय प्रमाण पत्र बनवाने हेतु छत्तीसगढ़ शासन के सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया। आवेदन के पश्चात आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए मात्र तीन दिवस में आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया।

सुरेश चन्द कुर्रे ने बताया कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने की प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक रही तथा निर्धारित समय में प्रमाण पत्र प्राप्त होने से उन्हें काफी सुविधा हुई। सेवा सेतु पोर्टल शासन की नागरिक-केंद्रित एवं नागरिक हितैषी पहल के रूप में समय पर सही सेवा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस प्रकार की डिजिटल सेवाएं युवाओं सहित आम नागरिकों को सशक्त बनाने तथा सुशासन की अवधारणा को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

यह केवल प्रशिक्षण अभ्यास है, नागरिक घबराएं नहीं, शांति बनाए रखें, मॉक ड्रिल का हिस्सा बन जागरूक बने : कलेक्टर

सूरजपुर । जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आज बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर टेबल टॉप एक्सरसाईज का अयोजन किया गया था, जिसमें संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। टेबल टॉप एक्सरसाईज में आपातकालिन या संकट से निपटने हेतु विभिन्न कार्ययोजनाओं पर चर्चा हुई, इसके साथ ही उपस्थितजनों को अलग-अलग परिस्थितियों में अपनाया जाने वाले आपदा प्रबंधन के गुर सिखाएं गये। बैठक मे जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी संजय गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर सुनील अग्रवाल व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सूरजपुर के संयुक्त तत्वावधान में बाढ़ आपदा पर आधारित मॉकड्रिल (मॉक एक्सरसाइज) का आयोजन 20 अगस्त 2026 को प्रातः 10 बजे आमगांव ओपन कास्ट माईन, रामानुजनगर में किया जाएगा। इस संबंध में जिला कलेक्टर एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कार्यालय द्वारा सार्वजनिक सूचना जारी की गई है। जारी सूचना के अनुसार यह मॉकड्रिल आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने तथा आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।

28 ग्राम पंचायतों की 35 आजीविका डबरी व 2 नवा तरिया में लगभग 1 लाख फिंगरलिंग मछली बीज का संचयन

अम्बिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा उनकी आय में वृद्धि के उद्देश्य से विभिन्न विभागों की योजनाओं का अभिसरण कर आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड अम्बिकापुर में वीबी-जी राम जी योजना अंतर्गत निर्मित आजीविका डबरी एवं नवा तरिया में मत्स्य पालन को प्रोत्साहित करने के लिए मत्स्य विभाग द्वारा फिंगरलिंग मछली बीज का वितरण एवं संचयन किया गया। शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र, दरिमा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विकासखंड अम्बिकापुर अंतर्गत निर्मित 35 आजीविका डबरी एवं 2 नवा तरिया के हितग्राहियों को फिंगरलिंग मत्स्य बीज संचयन योजनांतर्गत 50 प्रतिशत अनुदान पर मछली बीज उपलब्ध कराया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित जल संरचनाओं का उपयोग केवल जल संरक्षण तक सीमित न रखते हुए उन्हें आय सृजन और आजीविका का साधन बनाना है।

इस दौरान 45 गांवों के 50 हितग्राहियों को लगभग 1 लाख फिंगरलिंग मछली बीज का वितरण किया गया। हितग्राहियों द्वारा इन मत्स्य बीजों का अपनी आजीविका डबरी एवं नवा तरिया में संचयन किया जाएगा। इससे आने वाले समय में मत्स्य उत्पादन के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी।

दुर्घटना में मृत्यु होने पर परिजनों को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

नारायणपुर । जिले में विभिन्न दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों के परिजनों को शासन के प्रावधानों के तहत आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसी क्रम में कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर बीरेन्द्र बहादुर पंचभाई द्वारा ग्राम खड़कागांव निवासी स्वर्गीय रीना दुग्गा के निकटतम वारिस को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। रीना की 31 जनवरी 2025 को आग में जलने से ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। राजस्व पुस्तक परिपत्र खंड 6-4 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर नम्रता जैन ने मृतिका के पिता एवं निकटतम वारिस रैनूराम के लिए 4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की है।

हुनर से आत्मनिर्भरता की नई पहचान, धान-चावल से बनी राखियों ने बटोरी खूब सराहना

कोरबा । आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम नहीं, बल्कि अपने हुनर और स्थानीय संसाधनों को नई पहचान देने का अवसर भी है। कोरबा जिले की महिला स्व सहायता समूह की दीदियां अपने परिश्रम, रचनात्मकता और नवाचार से इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। बेला कछार, दोनद्रो पंचायत का प्रसन्न स्व सहायता समूह भी ऐसी ही प्रेरक पहल का उदाहरण है, जहां महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार की हैं।

प्रसन्न स्व सहायता समूह वर्ष 2018 से बिहान से जुड़कर महिला सशक्तिकरण और आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ा रहा है। समूह में कुल 22 सदस्य हैं। समूह की दीदियां मौसम और मांग के अनुरूप विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार करती हैं। इनमें बाती, अगरबत्ती, कॉस्मेटिक सामग्री और कपड़ों से जुड़े कार्य प्रमुख हैं। समय के साथ समूह की महिलाओं ने अपने कार्यक्षेत्र में नए उत्पाद जोड़ते हुए अपनी आय के अवसरों को भी विस्तार दिया है।

रक्षाबंधन के अवसर पर समूह की दीदियों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए पारंपरिक राखियों को स्थानीयता से जोड़ा है। धान, बर्रे भाजी, साबूदाना और चावल जैसे स्थानीय एवं प्राकृतिक संसाधनों से तैयार की गई राखियां लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इन राखियों की खासियत सिर्फ उनकी खूबसूरती नहीं, बल्कि इनके पीछे छिपा महिलाओं का हुनर और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग का विचार भी है। समूह की दीदियों द्वारा तैयार ये राखियां स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ महिला उद्यमिता की भावना को भी मजबूत कर रही हैं।

समूह की दीदियों नीतू कर्ष एवं मीरा देवांगन ने कलेक्टोरेट परिसर में राखियों का स्टॉल लगाया। यहां उन्होंने अपने हाथों से तैयार विभिन्न प्रकार की राखियां प्रदर्शित कीं। स्टॉल पर पहुंचकर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने भी राखियां खरीदीं और समूह की दीदियों के प्रयासों एवं हुनर की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर दुदावत के प्रोत्साहन से दीदियों में अपने उत्पादों को और बेहतर बनाने तथा भविष्य में नई गतिविधियों को अपनाने का आत्मविश्वास बढ़ा है।

प्रसन्न स्व सहायता समूह की दीदियों ने बताया कि महतारी वंदन योजना से भी उन्हें आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है। योजना के तहत मिलने वाली राशि का उपयोग वे अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ अपने कार्यों और आजीविका संबंधी गतिविधियों में कर रही हैं।

डिग्री-डिप्लोमा प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए शुरू हुई अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप

कलेक्टर ने अधिक से अधिक पात्र छात्राओं तक योजना का लाभ पहुंचाने के दिए निर्देश

बेमेतरा। उच्च शिक्षा में जरूरतमंद छात्राओं को आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा 'अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप' शुरू की गई है। योजना के तहत पात्र छात्राओं को उनके स्नातक पाठ्यक्रम की पूरी अवधि तक हर वर्ष 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

आज कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं की उपस्थिति में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के जिला समन्वयक ने योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले की अधिक से अधिक पात्र छात्राओं तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी छात्रा की उच्च शिक्षा प्रभावित न हो।

फाउंडेशन के अनुसार, छात्रवृत्ति की राशि का उपयोग ट्यूशन फीस, किताबें, परिवहन तथा शिक्षा से जुड़े अन्य आवश्यक खर्चों के लिए किया जा सकता है।

ये छात्राएं कर सकती हैं आवेदन :

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में डिग्री अथवा डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में नियमित छात्रा के रूप में प्रवेश लेने वाली छात्राएं आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों परीक्षाएं सरकारी स्कूल से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। आवेदिका छत्तीसगढ़ सहित निर्धारित 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में से किसी एक की निवासी होनी चाहिए। छात्रा ने भारत के किसी सरकारी अथवा विश्वसनीय निजी कॉलेज/विश्वविद्यालय में किसी मान्यता प्राप्त स्नातक डिग्री या डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया हो। पाठ्यक्रम की अवधि 2 से 5 वर्ष तक हो सकती है।

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क और ऑनलाइन है। प्रथम चरण के आवेदन 10 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक किए जा सकेंगे। वहीं दूसरे चरण के आवेदन 10 जनवरी से 31 जनवरी 2027 तक निर्धारित हैं। इच्छुक छात्राएं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के दौरान छात्राओं को स्पष्ट रंगीन स्कैन कॉपी पीडीएफ/जेपीजी/पीएनजी फॉर्मेट में अपलोड करनी होगी। फाइल का आकार 30 केबी से 500 केबी के बीच होना चाहिए। आवश्यक दस्तावेजों में पिछले छह माह की पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण (पासबुक अथवा एक माह का बैंक स्टेटमेंट), कक्षा 10वीं की मूल अंकसूची, कक्षा 12वीं की मूल अंकसूची तथा प्रवेश का प्रमाण जैसे बोनाफाइड प्रमाणपत्र अथवा ट्यूशन फीस रसीद शामिल हैं।

पिछले वर्ष बेमेतरा की 1050 छात्राओं का हुआ चयन :

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के जिला समन्वयक ने बताया कि पिछले वर्ष बेमेतरा जिले से 1050 छात्राओं का अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप के लिए चयन हुआ था। इस वर्ष चयनित छात्राओं की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने ऐसे कॉलेजों, जहां पिछले वर्ष अपेक्षाकृत कम छात्राओं का चयन हुआ है, वहां योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया।

हेल्पलाइन से ले सकती हैं जानकारी :

आवेदन अथवा योजना से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए छात्राएं अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप व्हाट्सएप हेल्पलाइन: 91 90199 60536 पर संपर्क कर सकती हैं।

रायपुर में सरगुजा संभाग की छात्राओं ने दी देशभक्ति की शानदार प्रस्तुति

अम्बिकापुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2026 को रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य राज्य स्तरीय समारोह में सरगुजा संभाग की छात्राओं ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि से सरगुजा जिले एवं पूरे संभाग का गौरव बढ़ा है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं ने आज कलेक्टर अजीत वसंत से मुलाकात की। कलेक्टर वसंत ने छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके अनुशासन, मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की तथा उन्हें भविष्य में भी इसी तरह आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा सहित शिक्षक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय कन्या शिक्षा परिसर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर एवं शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर अम्बिकापुर की 286 छात्राओं ने सरगुजा संभाग का प्रतिनिधित्व किया।

ग्राम देवीनवागांव में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

कांकेर। जिले के अंतिम छोर पर बसे डूबान क्षेत्र नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम देवीनवागांव में मंगलवार को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर हुई, जिसमें कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आम जनता की समस्या सुनीं एवं उनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

समस्या व शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण करते हुए उन्होंने शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से लाभ उठाने की अपील भी ग्रामीणों से की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जी-रामजी योजना संचालित की जा रही है, जिसके तहत ग्रामीणों को रोजगार मुहैया कराने के साथ ही छोटे-छोटे आधारभूत संरचना के निर्माण कार्य भी कराए जा सकते हैं। स्कूल भवन की मरम्मत, धरसा रोड, नाली निर्माण जैसे काम भी इस योजना के तहत कराए जा सकते हैं, इसके लिए विधिवत प्रस्ताव बनाकर जिला प्रशासन को प्रेषित किया जावे। इस योजनांतर्गत कांकेर जिले को 200 करोड़ रूपए प्राप्त हो चुके हैं, इसके तहत विभिन्न रोजगारमूलक कार्य कराए जा सकते हैं।

अम्बिकापुर में नवीन प्रधान जिला व सत्र न्यायालय भवन का वर्चुअल भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न'

अम्बिकापुर। सरगुजा जिला में न्यायिक अधोसंरचना के विस्तार की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। अम्बिकापुर में प्रस्तावित नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन के निर्माण के लिए मंगलवार को वर्चुअल भूमि पूजन एवं शिलान्यास स्थापना समारोह न्यायालय परिसर अम्बिकापुर में गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मान. मुख्य न्यायमूर्ति जस्टिस रमेश सिन्हा ने वर्चुअल माध्यम से नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर छ.ग. उच्च न्यायालय के मान. न्यायमूर्ति एवं सरगुजा जिले के पोर्टफोलियो जज जस्टिस पार्थ प्रतीम साहू तथा मान. न्यायमूर्ति एवं सूरजपुर जिले के पोर्टफोलियो जज जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल की गरिमामयी वर्चुअल उपस्थिति रही। इस अवसर पर मान. मुख्य न्यायमूर्ति जस्टिस रमेश सिन्हा ने कहा कि ''न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी नये न्यायालय भवन को अपने घर की तरह समझे और साथ-सुथरा रखें तथा न्यायालय के मूल उद्देश्य, अर्थात् आम जन को त्वरित एवं प्रभावी न्याय उपलब्ध करावें। उन्होनें कहा कि वे जब पहली बार अम्बिकापुर आये थे, तब ही जिला न्यायालय भवन देखकर उन्होनें नवीन भवन निर्माण कराने का संकल्प लिया था।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शक्ति सिंह राजपूत द्वारा मान. मुख्य न्यायमूर्ति जस्टिस रमेश सिन्हा के प्रति आभार व्यक्त किया गया जिनके विशेष प्रयास एवं रूचि लेने के कारण ही जिला सरगुजा में नवीन जिला न्यायालय भवन के निर्माण का कार्य प्रशस्त हुआ। समारोह के दौरान मान. मुख्य न्यायमूर्ति जस्टिस रमेश सिन्हा द्वारा नवीन न्यायालय भवन के शिलालेख का वर्चुअल अनावरण किया गया तथा वर्चुअल शिलान्यास के पश्चात् विधि विधान से भूमि पूजन संपन्न हुआ।

रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर सूरजपुर में 'बने खाबो - बने रहिबो 2.0' अभियान शुरू, आठ प्रतिष्ठानों का निरीक्षण

सूरजपुर। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए प्रदेश में मिलावटी, अमानक और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ द्वारा ''बने खाबो - बने रहिबो 2.0'' सात दिवसीय जन जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के परिपालन में सूरजपुर जिले में भी अभियान की शुरुआत कर दी गई है, जिसके अंतर्गत मिष्ठान भंडारों एवं होटलों में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता तथा स्वच्छता की सघन जांच की जा रही है।

अभियान के प्रथम दिवस अभिहित अधिकारी पुष्पा राज चौहान एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामप्रकाश जायसवाल तथा दीपा साहू की संयुक्त टीम ने जिले के पंडित स्वीट्स, गोलू स्वीट्स, बाबा होटल, गुड्डू स्वीट्स, बंसल स्वीट्स, मद्रास होटल, राजस्थानी होटल एवं दिलीप होटल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान संचालकों को साफ-सफाई बनाए रखने तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।

टीम द्वारा आवश्यकता पड़ने पर संदिग्ध खाद्य पदार्थों को रोकने, हटाने, जब्ती करने एवं अन्य विधिसम्मत कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए गए हैं। जांच के दौरान किसी भी प्रतिष्ठान में मिलावट अथवा अमानक खाद्य सामग्री पाए जाने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन सघन जांच एवं कार्यवाही की जाएगी तथा यह अभियान रक्षाबंधन पर्व तक निरंतर जारी रहेगा। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे मिष्ठान एवं खाद्य सामग्री की खरीदी करते समय गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी प्रकार की शिकायत की सूचना खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को दें।

मांगें मानकर छात्रों के आगे झुकी झारखंड सरकार

किसी भी देश में युवा व छात्र एक बड़ी ताकत होते हैं,वह जब अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरते हैं तो कोई भी सरकार हो देरसबेर उसे छात्रों की मांगों को मानना ही पड़ता है।छात्रों के आगे सरकार को झुकना पड़ता है क्योंकि युवा व छात्रों की इतनी ताकत होती है कि वह किसी देश मे सरकार का तख्ता पलट कर सकते हैं, चुनी हुई सरकार को इस्तीफा देने को विवश कर सकते हैं,अपने ही देश में अराजकता फैला सकते हैं।अपने ही देश को नुकसान पहुंचा सकते हैं, भारत के पड़ोसी देशों में युवाओं ने ऐसा किया है, इसलिए हमारे यहां के कुछ राजनीतिक दलों के नेता तो चाहते हैं कि इस देश के युवा भी देश मे अराजकता फैलाएं।जंतर मंतर में युवाओं के आंदोलन के जरिए ऐसा करने का प्रयास शुरू किया गया लेकिन देशविरोधी ताकतों की साजिश को सरकार समझ गई और उसने युवाओं के विश्वास को जीतने का प्रयास शुरू किया और उसमें काफी हद तक वह सफल रही। शिक्षामंत्री को इस्तीफा देना पड़ा,इसका परिणाम यह हुआ कि जो लोग देश में अराजकता फैलाना चाहते थे, वह नहीं फैला सके। शुक्र है कि हमारे देश के युवा भी समझदार हैं और उन्होंने देशविरोधी ताकतों की साजिश को समझा और सरकार पर भरोसा किया और सरकार भी उनकी उम्मीदों को पूरा करने का प्रयास कर रही है।

देश में जंतर मंतर के आंदोलन की मांग शिक्षामंत्री के इस्तीफे की थी और केंद्र सरकार ने इस मांग को पूरा किया तो यह आंदोलन एक महीने में समाप्त हो गया।इस आंदोलन में परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग नहीं की गई थी, लेकिन सरकार ने अपनी तरफ से परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए कानून बनाई और भविष्य में तकनीकी सुधार के लिए एक टास्कफोर्स का गठन भी किया ताकि भविष्य मे नीट परीक्षा में कोई पेपर लीक न हो, परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी न हो।जंतरमंतर का आंदोलन परीक्षा में हुई गड़बड़ी के विरोध में था और वह एक ही मांग शिक्षामंत्री के इस्तीफे से समाप्त हो गया। इस आंदोलन के दौरान यदि संसद घेरने युवाओं का उपयोग नहीं किया गया होता यह आंदोलन भी एक अच्छे व प्रभावी आंदोलन में गिना जाता लेकिन पैसे देकर बुलाए गए बहुत से बाहरी लोगों की गाली,अश्लील भाषा, गंदे बैनर पोस्टर से जंतर मंतर के आंदोलन की आलोचना भी हुई है। बिहार के छात्रों ने इससे सबक लिया और अपनी तमाम मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आदोलन किया, विधानसभा का घेराव भी किया लेकिन उनकी उस तरह आलोचना नहीं हुई जितनी आलोचना जंतर मंतर के आंदोलन की हुई। झारखंड के छात्रों ने देश के छात्रों के सामने एक उदाहरण रखा है कि छात्र और युवा यदि शांतिपूर्ण आंदोलन करते हैं तो कोई भी सरकार हो उसको झुकना पड़ता है।

हर सरकार की तरह झारखंड सरकार ने 24 दिन तक कई तरह आंदोलन समाप्त करने के लिए प्रयास किए,कभी कहा कि छात्रों की सारी मांगे नहीं मानी जा सकती,कभी बातचीत के जरिए मनाने का प्रयास किया,कभी टेंट न लगाने देकर उनकी परेशानी बढाई,कभी उसे भाजपा का आंदोलन कहा गया,कभी बाहरी लोगों को भेजकर आंदोलन को हाईजैक करने का प्रयास किया गया,बिधानसभा घेरने पर छात्रों के खिलाफ ढेर सारी एफआईआर दर्ज की गई, छात्रों को तिरंगा रैली नहीं निकालने दिया लेकिन छात्र अपनी मांग पर अड़े रहे तो आखिर में जाकर 24 दिन बाद सरकार ने एक मांग को छोड़कर सारी मांगे मानने का फैसला किया और झारखंड के छात्रों का आंदोलन इस तरह समाप्त हो गया है तो यह एक राज्य नहीं देश के छात्रों की जीत है और उनके लिए संदेश है कि देश में या राज्य में युवाओं का आंदोलन इसी तरह होना चाहिए।इससे देश को नुकसान पहुंचाए बिना भी छात्र अपनी म्ांगे पूरी करवा सकते हैं।

छात्रों के साथ बैठक के बाद सीएम हेमंत सोरेन मीडिया को बताया कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा और जेपीएससी की नियुक्ति परीक्षाओं का संचालन करने वाली विवादित एजेंसी टीडीपीएल द्वारा आयोजित जेपीएससी की सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं।इन परीक्षाओं की जांच झारखंड उच्च न्यायालय के रिटायर जज की अध्यक्षता में गठित होने वाली कमेटी करेगी।इतना ही नहीं झारखंड में 2014 के बाद हुई अनुय परीक्षाएं भी जांच के दायरे में रहेंगी।जंतर मंतर के आंदोलन के बाद देश की नजर झार्खंड के आंदोलन पर थी और सबको इंतजार था कि इनकी मांग सरकार कब पूरा करेगी।

पीड़ा को महसूस करने से ही समझदारी आती है

हममें से कई लोगों ने ऐसी कोई फिल्म या टीवी सीरियल जरूर देखे होंगे, जिनकी कहानियां मेडिकल से जुड़े हालात के इर्द-गिर्द घूमती हैं। इनमें डिलीवरी के बाद मरीज को अचानक से पोस्टपार्टम हैमरेज (पीपीएच) होता है- यानी अत्यधिक ब्लीडिंग, जो जानलेवा हो सकती है।

'ग्राम चिकित्सालय' ऐसा ही एक सीरियल है, जिसमें युवा, प्रतिभाशाली और आदर्शवादी डॉक्टर प्रभात झारखंड में सुदूरवर्ती गांव भटकंडी के उपेक्षित प्राइमरी हेल्थ सेंटर की जिम्मेदारी संभालते हैं। वे वहां जरूरी बदलाव लाने के लिए दृढ़ होते हैं, लेकिन फिर पाते हैं कि कुछ और बदलने से पहले उन्हें खुद को बदलना होगा।

ऐसे एंटरटेनमेंट में किरदार डायरेक्टर की बताई भूमिकाएं ही निभाते हैं और वही बोलते हैं, जो किसी ने उनके लिए लिखा है। हम भी हमेशा यही चाहते हैं कि हमारे सामने ऐसी कोई स्थिति आए, तो हम भी वैसा ही व्यवहार करें। लेकिन महाराष्ट्र में चंद्रपुर जिले के जिंटल तालुका स्थित दूरदराज की आदिवासी बस्ती 'घोड़नकप्पी' के निवासी तुलसीराम गेडाम ने ऐसा कुछ किया।

जिसे किसी लेखक या डायरेक्टर ने कभी पर्दे पर दिखाने के बारे में नहीं सोचा होगा। और इसे ही 'एक युवा पिता की विज्डम' कहते हैं। उन्होंने साबित किया कि 'विज्डम' हमेशा उम्र के साथ नहीं आती। कई बार यह इतना गहरा घाव लगने के बाद आती है कि इंसान का दुनिया देखने का नजरिया ही बदल जाता है।

14 जून को प्रेग्नेंसी के 33वें हफ्ते (नॉर्मल डिलीवरी 40वें हफ्ते में होती है) में घर पर बच्चे को जन्म देने के बाद तुलसीराम की 25 वर्षीय पत्नी संगीता को पीपीएच होने लगा। परिवार ने हेल्थ डिपार्टमेंट से संपर्क किया। तुरंत गांव के समीप पहाड़ी पर वहां तक एंबुलेंस भेजी गई, जहां तक पहुंचना संभव था।

परिजन महिला को लेकर कठिन रास्तों से होते हुए एंबुलेंस तक पहुंचने को जूझते रहे। इस मशक्कत में मेडिकल टर्मिनोलॉजी में कहे जाने वाला 'गोल्डन ऑवर' टाइम निकल गया। संगीता को ट्रीटमेंट मिलता, उससे पहले ही अत्यधिक खून बहने से उसकी मृत्यु हो गई। लगभग 2.2 किलो वजन वाले नवजात की हालत स्थिर बताई गई।

बहुत से लोग यहीं रुक जाते। कुछ सरकार को दोष देते। कुछ विरोध करते। कुछ मुआवजा मांगते और कुछ स्वाभाविक तौर पर दुख के साथ घर लौट जाते। लेकिन तुलसीराम ने कुछ और, अधिक कठिन रास्ता चुना। उन्होंने खुद से पूछा कि ऐसा क्या कर सकते हैं, ताकि किसी दूसरे परिवार को उसके परिवार जैसी पीड़ा न झेलनी पड़े।

यह बहुत गहरी सोच है। अपनी निजी पीड़ा को पब्लिक पर्पज में बदलने के लिए खास तरह की मैच्योरिटी जरूरी होती है। और जब इस पीड़ा को ढोने वाला व्यक्ति इतना युवा हो तो यह और अधिक उल्लेखनीय हो जाता है। तुलसीराम के पास न तो समय की लग्जरी है और न आरामदायक जीवन।

उन्हें दो छोटे बच्चों की परवरिश करनी है और उन्होंने इस जिम्मेदारी को शेयर करने वाले को भी खो दिया। उनके पास दुख में डूबे रहने की हर वजह है। लेकिन इसके बजाय उन्होंने किसी और की पत्नी, किसी और के बच्चे, किसी और की इमरजेंसी के बारे में सोचना शुरू किया। यहीं से 'विज्डम' शुरू होती है।

तुलसीराम को समझ आया कि सड़क महज सड़क नहीं होती। घोड़नकप्पी के 20 परिवारों के लिए यह हॉस्पिटल तक पहुंचने का जरिया है। यह किसी प्रेग्नेंट महिला की सुरक्षा, किसी बच्चे का स्कूल रूट और किसी बुजुर्ग की गरिमा है।

यह इमरजेंसी और ट्रैजेडी के बीच का अंतर है। उन्होंने ग्रामीणों के साथ मिलकर मुख्य सड़क तक 1.5 किमी लंबे रास्ते का निर्माण शुरू किया। स्वैच्छिक श्रमदान के जरिए 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर काम शुरू हुआ। अब रास्ते का आधा काम पूरा हो चुका है।

फंडा यह है कि हम अकसर समझदारी को सफेद बालों, वर्षों के अनुभव और जीवन को लेकर लंबे-चौड़े भाषणों से जोड़ कर देखते हैं। लेकिन शायद समझदारी इससे कहीं अधिक सरल है। यह अपनी पीड़ा से सीखने और यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि वही पीड़ा किसी और की किस्मत में न आए।

एल्गोरिदम ही सूझबूझ की जगह ले बैठें तो मनुष्य पीछे छूट जाएगा

कुछ व्यक्तित्व इतिहास के किसी एक अध्याय के पात्र नहीं रहते, बल्कि प्रत्येक पीढ़ी के सामने एक नैतिक प्रश्न बनकर उपस्थित होते हैं। महात्मा गांधी और चंद्रशेखर ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। उन्हें साथ-साथ स्मरण करना लोकतंत्र की दो ऐसी परंपराओं को पुन: पढ़ना है, जिन्होंने सत्ता से अधिक समाज पर भरोसा किया।
दोनों के जीवन में यात्राओं का विशेष महत्व था। गांधी ने भारत को पैदल, रेल और बैलगाड़ी से जाना; चंद्रशेखर ने सत्ता के गलियारों से बाहर निकलकर समाज की धड़कनों को समझने के लिए भारत-यात्रा की। वे जानते थे कि भारत की आत्मा गांवों की धूल, कस्बों की बेचैनी और साधारण नागरिक की आकांक्षाओं में बसती है। यात्रा उनके लिए समाज का अध्ययन थी।

आज का भारत अभूतपूर्व तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। दूरियां सिमटी हैं, सूचना का विस्फोट हुआ है और एआई हमारे निर्णयों को प्रभावित कर रहा है। तकनीक ने हमारी गति बढ़ाई है, पर क्या उसने संवेदना भी गहरी की है? यही वह प्रश्न है, जहां गांधी और चंद्रशेखर भविष्य के मार्गदर्शक बनकर सामने आते हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी त्रासदी तब शुरू होती है जब उसे केवल चुनावों तक सीमित कर दिया जाता है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव अवश्य हैं, पर उसका सार नहीं। जब नागरिक केवल मतदाता और राजनीति केवल चुनाव-प्रबंधन बनकर रह जाए, तब लोकतंत्र की आत्मा क्षीण होने लगती है।

महात्मा गांधी के लिए लोकतंत्र कभी मात्र बहुमत का शासन नहीं था। उसकी कसौटी अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का सम्मान थी। गांधी कहते थे कि कानून मनुष्य को दंडित कर सकता है, पर उसे नैतिक नहीं बना सकता। करुणा किसी अधिनियम से पैदा नहीं होती और सह-अस्तित्व किसी न्यायिक आदेश से स्थापित नहीं किया जा सकता।

इसलिए लोकतंत्र अंतत: मनुष्य के भीतर जन्म लेता है। यही कारण है कि सार्वजनिक जीवन में भाषा और व्यवहार का महत्व केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। गांधी अपने प्रखर विरोधियों के प्रति भी सम्मानजनक भाषा का प्रयोग करते थे। चंद्रशेखर संसद में तीखी आलोचना करते थे, लेकिन विरोध को कभी वैमनस्य में नहीं बदलने देते थे।

मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है पर विरोधी का अमानवीकरण उसकी पराजय। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता है। अनेक भाषाएं, आस्थाएं, संस्कृतियां और जीवन-पद्धतियां मिलकर भारतीयता का निर्माण करती हैं। गांधी ने इसे भारत की आध्यात्मिक शक्ति माना, जबकि चंद्रशेखर ने सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता को एक-दूसरे का पूरक समझा।

आज जब पहचान की राजनीति कई बार संवाद की राजनीति पर भारी पड़ती दिखाई देती है, तब यह स्मरण आवश्यक है कि भारत की आत्मा एकरूपता नहीं, सह-अस्तित्व में बसती है। एआई के इस युग में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं कि मशीनें कितना सोच सकती हैं, बल्कि यह है कि क्या मनुष्य अब भी महसूस कर पा रहा है। गांधी मशीनों के विरोधी नहीं थे; वे मनुष्य के विस्थापन के विरोधी थे। चंद्रशेखर भी विकास के नहीं; ऐसे विकास के विरोधी थे, जिसमें मनुष्य पीछे छूट जाए। यदि एल्गोरिदम विवेक का स्थान लेने लगे और मशीनें हमारी स्मृति बन जाएं, तो लोकतंत्र तकनीकी रूप से आधुनिक होते हुए भी नैतिक रूप से दरिद्र हो सकता है।

लोकतंत्र का भविष्य केवल संसद नहीं, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, परिवारों और नागरिक जीवन की छोटी-छोटी प्रक्रियाओं में निर्मित होगा। नई पीढ़ी यदि विविधता का सम्मान, प्रश्न पूछने का साहस और भयमुक्त-विवेक विकसित करेगी, तभी लोकतंत्र जीवित रहेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मुफ्त के 'यूपीआई' से भारी मुनाफा कौन कमा रहा है?

संसद से कानून में बदलाव के बाद यूपीआई के बड़े लेनदेन पर एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) शुल्क वसूलने का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिकी दबाव को नकारते हुए सरकार ने कहा है कि साइबर सुरक्षा और डिजिटल इन्फ्रा की मजबूती के लिए बड़े व्यापारियों से शुल्क लेना जरूरी है। डिजिटल पेमेंट के लिए संसद से 2007 में कानून बना था, उसके अनुसार 2008 में एनपीसीआई का गठन हुआ। 2016 में नोटबंदी के कुछ महीने पहले यूपीआई की शुरुआत हुई थी। पिछले 10 सालों में यूपीआई से लेनदेन की संख्या 12 हजार गुना बढ़ गई है। रियल टाइम पेमेंट में 49% की वैश्विक हिस्सेदारी के साथ आज 12 से ज्यादा देशों में यूपीआई की विजय पताका लहरा रही है। लेकिन 55.49 करोड़ भारतीयों को फ्री में मिल रहे यूपीआई से कमजोर होते बैंकों और विदेशी कम्पनियों को मिल रहे मुनाफे से जुड़े 4 पहलुओं को भी समझें।

1. रिजर्व बैंक के 6 अप्रैल 2018 के आदेश के अनुसार सर्विस प्रोवाइडर्स, इंटरमीडियरीज़, थर्ड पार्टी वेंडर्स और अन्य लोगों को डिजिटल पेमेंट से जुड़ा सारा डेटा सिर्फ भारत में ही स्टोर करना जरूरी था। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट में 2020 में गूगल-पे ने कहा कि वह ग्राहकों के नाम, पते, ईमेल और लेन-देन का विवरण ग्रुप कम्पनियों और बाहरी कम्पनियों से साझा करती है। यूपीआई में पैठ बढ़ाने के लिए वॉट्सएप के निवेश से 1.7 करोड़ मासिक यूजर्स वाली क्रेड कम्पनी की वैल्यू 43239 करोड़ हो गई है। यूपीआई से जुड़ी अन्य कम्पनियां भी भारतीयों के निजी और बैंकिंग डेटा के कारोबार से अरबों डॉलर का मुनाफा कमा रही हैं।

2. एनपीसीआई ने नवम्बर 2020 में आदेश जारी किया था, जिसके अनुसार यूपीआई में किसी कंपनी का 30% से ज्यादा आधिपत्य नहीं हो सकता। इस नियम के अनुपालन की समय-सीमा तीन बार बढ़ाई जा चुकी है, जो दिसम्बर में खत्म हो रही है। 2016 में भीम एप का ढिंढोरा पीटा गया था, जिसकी कुल हिस्सेदारी सिर्फ 0.86% है। जबकि अमेरिका के वालमार्ट के स्वामित्व वाली फोन-पे के पास 47% और गूगल-पे के पास 37% हिस्सेदारी है। दो अमेरिकी कम्पनियों के पास यूपीआई में 84% हिस्सेदारी के मामले पर संसदीय समिति ने 2024 में चिंता जाहिर की थी।

3. पेमेंट कांउसिंल ऑफ इंडिया ने मई 2023 में एमडीआर लागू करने की मांग की थी। ट्रम्प के दबाव पर लागू हो रहे एमडीआर से भारत का रुपे कार्ड कमजोर होने के साथ अमेरिका के वीजा और मास्टर कार्ड का कारोबार बढ़ेगा। नीट परीक्षा आयोजित करने वाली एनटीए की तरह एनपीसीआई भी संस्थागत कमजोरियों, आउटसोर्सिंग और ठेकेदारी की शिकार है। दुनिया के 49% रियल टाइम पेमेंट को नियंत्रित करने वाली एनपीसीआई खुद को आरटीआई और राज्य की परिभाषा के दायरे से बाहर मानती है। कानून में बदलाव के बाद अब शुल्क की दरों और एमडीआर को लागू करने का फैसला एनपीसीआई करेगी। विस्तार पर जोर और नियमों में ढील से बैंकिंग और अर्थव्यवस्था में विदेशी कंपनियों का वर्चस्व बढ़ना चिंताजनक है।

4. माइक्रोसॉफ्ट और ओपन-एआई के चैट-जीपीटी से यूपीआई में एआई का इस्तेमाल शुरू हो गया है। यूपीआई के लेनदेन की हिस्ट्री, बिजली बिल, खर्च और बचत के पैटर्न के आंकड़ों से क्विक कॉमर्स, फिनटैक, गेमिंग, बीमा और लोन से जुड़े स्टार्टअप मालामाल हो रहे हैं। यूपीआई में केवाईसी में ढील और बैंकिंग डेटा के इस्तेमाल से साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। अमेरिका की एआई कम्पनी एन्थ्रोपिक के क्लॉड मिथोस के खतरों से निपटने के लिए बैंकों के पास तकनीक और संसाधन दोनों की कमी है। एनपीसीआई के गठन से जुड़े स्टेट बैंक और दूसरे बैंकों को यूपीआई क्रांति का फायदा क्यों नहीं मिला, इस पर देशहित में विमर्श जरूरी है।

भीम एप की कुल हिस्सेदारी 0.86% है। जबकि अमेरिका के वालमार्ट के स्वामित्व वाली फोन-पे के पास 47% और गूगल-पे के पास 37% हिस्सेदारी है। दो अमेरिकी कम्पनियों के पास यूपीआई में 84% की हिस्सेदारी हमारे लिए चिंता का विषय होनी चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सृजन के अनूठे रूपों का प्रमाण है रामचरितमानस

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

बहुत कम साहित्य ऐसे होते हैं, जो केवल पुस्तक के पन्नों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि मनुष्य के जीवन, संस्कार और व्यवहार का हिस्सा बन जाते हैं। रामचरितमानस ऐसा ही कालजयी साहित्य है। यह केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि परिवार, समाज, रिश्तों, कर्तव्य और जीवन-मूल्यों की आचार-संहिता भी बन गया है। इसके रचयिता गोस्वामी तुलसीदास को केवल साहित्यकार मानना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना होगा। वे एक ऐसे मनोवैज्ञानिक ऋषि थे, जिन्होंने मानव मन की गहराइयों को समझकर जीवन के लिए अद्भुत सूत्र दिए। रामचरितमानस की रचना को लगभग 450 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन इसकी प्रासंगिकता आज भी उतनी ही बनी हुई है। तुलसीदास ने शब्दों के माध्यम से मनुष्य की भावनाओं, कमजोरियों, संघर्षों और आदर्शों को जिस तरह प्रस्तुत किया, वह सृजन की अनूठी क्षमता का प्रमाण है। उनके पात्र आज भी हमारे आसपास के जीवन में दिखाई देते हैं।

तुलसीदास जी के जीवन से एक और बड़ी सीख मिलती है कि उम्र कभी सृजन की राह में बाधा नहीं बनती। कहा जाता है कि रामचरितमानस की रचना में उन्हें 2 वर्ष, 7 महीने और 26 दिन लगे। उस समय उनकी उम्र लगभग 80 वर्ष थी। यह तथ्य हमें बताता है कि यदि मन में उत्साह, उद्देश्य और साधना हो तो जीवन के किसी भी पड़ाव पर बड़ा काम किया जा सकता है।

हम अक्सर उम्र को अपनी सीमाओं का कारण बना लेते हैं। युवावस्था में कहते हैं कि अनुभव नहीं है और उम्र बढ़ने पर कहते हैं कि अब समय निकल गया। तुलसीदास का जीवन इन दोनों धारणाओं को चुनौती देता है। उम्र बढ़ने के साथ अनुभव और दृष्टि गहरी होती जाती है और यदि व्यक्ति अपनी योग्यता को लगातार निखारता रहे तो उसका सृजन और अधिक प्रभावशाली हो सकता है। तुलसीदास जी ने लंबा जीवन जिया और अपनी प्रतिभा को समाज के लिए उपयोगी बनाया। उनके जीवन से हमें सीखना चाहिए कि परमात्मा के प्रति विश्वास बनाए रखें, अपनी योग्यता को निरंतर विकसित करें और जीवन के प्रत्येक पड़ाव की उपयोगिता को समझें। हर उम्र की अपनी भूमिका होती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम समय को पहचानें, अपनी क्षमता का सही उपयोग करें और जीवन को सार्थक बनाने वाले कार्यों में स्वयं को लगाएं।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

कैकेई ने पहले अपनी कला (अपने सौंदर्य) का प्रयोग किया। सौंदर्य का प्रयोग करने के पश्चात कुछ आंसू बहाकर उन्होंने महाराज श्रीदशरथ के हृदय को व्याकुल किया तथा अंत में महाराज श्रीदशरथ से कहा कि मैं तो केवल दो ही वरदान चाहती हूं। एक वरदान तो मैं यह चाहती हूं कि मेरे पुत्र भरत को राज्य मिले तथा दूसरे वरदान के फलस्वरूप राम चौदह वर्ष के लिए वनवास जायें। महाराज दशरथ यह वरदान सुनते ही व्याकुल हो जाते हैं। कैकेई के चरणों पर सिर रखकर उन्होंने कहा, कैकेई ! मेरे लिए तो भरत और राम दो आँखों की तरह हैं। क्या किसी व्यक्ति के मन में यह कल्पना आ सकती है कि मेरी दो आंखों में से एक आंख ठीक रहे और दूसरी ठीक न रहे ? इसी प्रकार मेरे अंत :करण में राम और भरत में कोई अंतर नहीं है। तुम अगर भरत को राज्य देना चाहती हो तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन कैकेई मुझे तो आश्चर्य यह है कि आज तक तुमने मुझसे राम के विषय में सर्वदा यही कहा है कि राम तो बड़े साधु हैं और सारी अयोध्या के लोग भी यही कहते हैं। लेकिन कैकेई उन्हीं राम को –

केहिं अपराध आजु बनु देहूँ।

यह बताइए कि राम ने कौन-सा अपराध किया है कि जो आप उन्हें वन दे रही हैं। तब कैकेईजी ने जो उत्तर दिया वही मानो धर्म के साथ छल है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

इंडिया पोस्ट ने लॉन्च किया राखी स्पेशल गिफ्ट बॉक्सः CPMG बोले- राखी भेजने पर 10% डिस्काउंट, रायपुर में जल्द खुलेगा 24 घंटे पार्सल बुकिंग कियोस्क

रायपुर। रक्षाबंधन को खास बनाने के लिए भारतीय डाक विभाग ने राखी स्पेशल गिफ्ट बॉक्स लॉन्च किया है। छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल प्रणव कुमार ने डाक विभाग के अधिकारियों के साथ यह बॉक्स लॉन्च किया।

इसकी कीमत 520 रुपए रखी गई है। बॉक्स में राखी के साथ अक्षत-कुमकुम, बैज, फ्रिज मैग्नेट, की-रिंग और तीन पिक्चर पोस्टकार्ड दिए जा रहे हैं। इसकी बिक्री मंगलवार से विशेष काउंटर के जरिए शुरू कर दी गई है।

साथ ही राखी भेजने वालों को 10 रुपए का वॉटरप्रूफ एनवलप भी मिलेगा और उस पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। वहीं, पार्सल बुकिंग को आसान बनाने के लिए रायपुर में जल्द 24 घंटे चलने वाला सेल्फ-सर्विस कियोस्क शुरू किया जाएगा।

प्रणव कुमार ने बताया कि इस गिफ्ट बॉक्स इस तरह तैयार किया गया है कि भाई-बहन राखी के साथ कई दूसरी चीजें भी एक ही पैक में भेज सकें। उन्होंने बताया कि बॉक्स में तीन पिक्चर पोस्टकार्ड भी हैं, जिनका इस्तेमाल

आज की युवा पीढ़ी और त्द्दठ्ठ´ के बीच बढ़ रहा है। डाक विभाग इस पैक को स्कूल, गर्ल्स कॉलेज, इंजीनियरिंग संस्थानों और कॉलोनियों तक पहुंचाने की योजना बना रहा है।

राखी भेजने वालों के लिए डाक विभाग की ओर से 10 रुपए का वॉटरप्रूफ एनवलप भी उपलब्ध कराया जा रहा है। राखी पोस्ट करने वाले भाई-बहनों को 10 प्रतिशत डिस्काउंट देने की व्यवस्था की गई है।

CPMG प्रणव कुमार ने बताया कि राखियों की समय पर डिलीवरी के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राखी के दिन सुबह तक **RMS** ऑफिस में राखी का एक भी एनवलप नहीं बचना चाहिए।

डिलीवरी के लिए जो भी राखियां **RMS** पहुंचेंगी, उन्हें समय पर संबंधित पोस्ट ऑफिस भेजा जाएगा। इसके बाद पोस्टमैन को राखी के दिन ही संबंधित पते पर डिलीवरी करने का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने कहा कि राखी के दिन डिलीवरी के लिए आई कोई भी राखी पेंडिंग नहीं रहनी चाहिए।

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल ने बताया कि डाक विभाग जल्द ही रायपुर ऑफिस में 24 घंटे चलने वाला पार्सल बुकिंग कियोस्क शुरू करेगा। इसमें ग्राहक खुद पार्सल बुक कर सकेंगे।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

रायपुर रेल मंडल में एआई क्रांति, ट्रेन के पहिए से यात्री के चेहरे तक 360 डिग्री निगरानी

रायपुर। रायपुर रेल मंडल में निगरानी और सुरक्षा तंत्र का पूरा तरीका बदलने जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की मदद से मालगाड़ी से लेकर यात्री ट्रेनों के कोच में 360 डिग्री स्कैन होगा। एआई कैमरे चलते ट्रेन के पहिए, ब्रेक और दूसरे महत्वपूर्ण हिस्सों में होने वाली खराबी को तुरंत पकड़ेंगे और इसकी जानकारी सीधे संबंधित वर्कशॉप तक पहुंच जाएगी। इसका ट्रायल शुरू हो चुका है। इसके अलावा आधुनिक तकनीक से अनेक काम किए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों का दावा है कि एआई क्रांति से समय पर ट्रेन चलने के साथ यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। मंडल में 10 अलग-अलग कार्यों के लिए एआई आधारित सिस्टम लगाए जा रहे हैं। वर्चुअल ट्रैकिंग- भिलाई के पीपी यार्ड में एआई बेस्ड वर्चुअल ट्रैकिंग सिस्टम लगाया गया है।

सरकारी काम में देरी की तो अफसरों पर लगेगा जुर्माना

कलेक्टर गौरव सिंह बोले- लोकसेवा गारंटी का पालन नहीं करने पर होगी कार्रवाई

रायपुर। रायपुर कलेक्टोरेट के रेडक्रॉस भवन में मंगलवार को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ तय समय पर मिलना चाहिए।

कलेक्टर ने कहा कि लोकसेवा गारंटी अधिनियम का पालन नहीं करने वाले विभागों पर कार्रवाई की जाएगी। सेवाएं देने में देरी होने पर संबंधित अधिकारी पर जुर्माना भी लगाया जाएगा।

सरकारी जर्जर भवनों को गिराने के निर्देश

कलेक्टर ने कहा कि जिन सरकारी भवनों का कोई हिस्सा जर्जर हो चुका है, उसे तुरंत गिराने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों के कारण कभी भी हादसा हो सकता है। अधिकारियों को ऐसे भवनों की जांच कर जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

रायपुर में प्रोजेक्ट पुनर्जीवन के

तहत हर विभाग अपनी टीम बनाएगा। टीम अपने कार्यालय और आसपास लगे पौधों के चारों ओर किए गए कांक्रीट या जाली के घेरे हटाएगी। इससे पौधों को बढ़ने के लिए ज्यादा जगह मिलेगी और वे फिर से अच्छी तरह विकसित हो सकेंगे। बैठक में शिशु संरक्षण माह अभियान की जानकारी भी दी गई। सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि अभियान के तहत जिले में हर मंगलवार और शुक्रवार को विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे।

इस दौरान 9 महीने से 5 साल तक के बच्चों को आयरन-फोलिक एसिड (ढ्ढस्न) सिरप दिया जाएगा। बच्चों को यह सिरप सप्ताह में दो तय दिनों पर पिलाया जाएगा। इसी उम्र के बच्चों को हर 6 महीने में विटामिन-ए की खुराक भी दी जाएगी। रायपुर जिले में 2 लाख 51 हजार 432 बच्चों को ढ्ढस्न सिरप और 2 लाख 37 हजार 464 बच्चों को विटामिन-ए देने का लक्ष्य रखा गया है।

टीका नहीं लगा तो तीन चरणों में होगा अभियान

0 से 5 साल तक के ऐसे बच्चों के लिए विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा, जिनका किसी कारण से टीकाकरण छूट गया है या पूरा नहीं हो पाया है। यह अभियान तीन चरणों में आयोजित होगा।

पहला चरण: 17 से 24 अगस्त

दूसरा चरण: 21 से 28 सितंबर

तीसरा चरण: 26 अक्टूबर से 2 नवंबर

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास और शिक्षा विभाग को स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर अभियान चलाने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों के जरिए छूटे बच्चों की पहचान कर उनका टीकाकरण कराया जाएगा। अधिकारियों को अभियान की नियमित निगरानी करने को भी कहा गया।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग और शिक्षा विभाग को स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर यह अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों के जरिए ऐसे बच्चों की पहचान की जाएगी, जिनका टीकाकरण छूट गया है। इसके बाद उनका टीकाकरण कराया जाएगा। अधिकारियों को अभियान की नियमित निगरानी करने के लिए भी कहा गया।

बैठक में नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर और एडीएम उमाशंकर बंदे समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बीरगांव निगम में वार्डों का आरक्षणः40 में से 14 वार्ड महिलाओं और 7 एससी-एसटी के लिए आरक्षित

रायपुर। बीरगांव नगर निगम का चुनाव नवंबर-दिसंबर में होना तय है। इसके लिए मंगलवार को कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में कलेक्टर की उपस्थिति में दोपहर 2 बजे आरक्षण की प्रक्रिया शुरू की गई। सबसे पहले एसटी-एससी आरक्षित वार्डों के नाम बताए गए।

इसके बाद ओबीसी और इसमें महिला ओबीसी के लिए आरक्षित वार्डों की लॉटरी निकाली गई। बीरगांव निगम के चुनाव में परिसीमन का नियम लागू होने की वजह से सभी वार्डों का आरक्षण नए सिरे से किया गया। इसमें कई पुराने नेताओं के वार्ड आरक्षित हो गए हैं। नए आरक्षण में चार बार के पार्षद इकराम अहमद, दो बार के पार्षद मोहम्मद रियाज का वार्ड ओबीसी के लिए आरक्षित हो गया है।

निगम के महापौर नंदलाल देवांगन का वार्ड ओबीसी हो गया है। इसलिए वे पार्षद का चुनाव लड़ सकते हैं और महापौर पद पर अपनी पत्नी के लिए भी टिकट मांग सकते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ पार्षद सुदन सिकली का वार्ड इस बार महिला के लिए आरक्षित है। पिछली बार उनकी पत्नी कविता चुनाव जीती थी। भाजपा के होरीलाल देवांगन का वार्ड ओबीसी हो गया है। वे फिर से वार्ड 32 से चुनाव लड़ सकते हैं।

करीब पांच साल पहले हुए बीरगांव नगर निगम चुनाव में कांग्रेस के 19, भाजपा के 10, जोगी कांग्रेस के 5 और 6 वार्डों में निर्दलीय पार्षद जीतकर आए थे। जोगी कांग्रेस को उस समय पूर्व पालिका अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश देवांगन का साथ मिला था। अभी वे भाजपा में हैं। इसके अलावा छह निर्दलीय पार्षदों ने भी भाजपा और कांग्रेस को समर्थन दे दिया था।

निर्दलीय पार्षदों की मदद से ही नंद कुमार देवांगन महापौर बने थे। इसलिए इस बार माना जा रहा है कि निगम चुनाव में सीधी टक्कर भाजपा और कांग्रेस के ही बीच होगी। यही वजह है कि महापौर की महिला दावेदारों में भी दोनों ही पार्टियों से कई नाम उभरकर आ रहे हैं। पिछली बार एवज देवांगन और उनकी पत्नी डिगेश्वरी देवांगन भी जोगी कांग्रेस से चुनाव जीते थे, लेकिन इस बार वे भी भाजपा के साथ हैं। वे अपनी पत्नी के लिए महापौर का टिकट मांग सकते हैं।

रक्षाबंधन की छुट्टी में बड़ा बदलाव, 28 अगस्त को बैंक-कोषालय भी रहेंगे बंद

रायपुर। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर 28 अगस्त को छत्तीसगढ़ में कोषालयों और बैंकों के लिए सार्वजनिक अवकाश रहेगा। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही 28 अगस्त को लेकर पहले जारी आदेश में भी बदलाव किया गया है।

राज्य सरकार ने पहले इस दिन के लिए सामान्य अवकाश घोषित किया था, लेकिन अब इसे सार्वजनिक अवकाश में परिवर्तित कर दिया गया है। इस बदलाव के बाद रक्षाबंधन के दिन प्रदेश के कोषालय और बैंक बंद रहेंगे। सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने से बैंकिंग और कोषालय से जुड़े कामकाज प्रभावित रहेंगे, इसलिए लोगों को अपने जरूरी बैंकिंग कार्य पहले ही निपटाने की सलाह दी जा सकती है।

सावन मास की पूर्णिमा तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है। घरों से लेकर बाजारों तक में रौनक बढ़ रही है। वहीं, भोलेबाबा का अभिषेक-पूजन से भक्ति और उत्साह का माहौल है। पंडितों के अनुसार इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा जैसी बाधा नहीं रहेगी। क्योंकि यह 27 अगस्त को ही समाप्त हो जाएगी। परंतु पूर्णिमा तिथि सुबह 9.48 बजे तक होने से उदयातिथि यानी कि 28 अगस्त को भाई-बहन का पवित्र त्योहार मनेगा।

23 आईएएस के ट्रांसफर-प्रभार बदलेः सोनमणि बोरा संभालेंगे नगरीय प्रशासन आदिम जाति की जिम्मेदारी भुवनेश को

रायपुर। सामान्य प्रशासन विभाग ने मंगलवार शाम 23 आईएएस की तबादला सूची जारी कर दी। इसमें छह जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं। कुंदन कुमार को मुंगेली से हटाकर कांकेर कलेक्टर बनाया गया है। तुलिका प्रजापति मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की जगह अब कबीरधाम की कलेक्टर होंगी।

इससे पहले, नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव आर. संगीता के लंबी छुट्टी पर जाने के बाद से आईएएस के तबादले की अटकलें थीं। अब प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा को उक्त विभाग का जिम्मा मिला है। आदिम जाति विकास विभाग आईएएस भुवनेश यादव को सौंपा गया है। इफ्फत आरा से संचालक, नागरिक आपूर्ति का अतिरिक्त प्रभार ले लिया गया है। वे विशेष सचिव, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के पद पर बनी रहेंगी।

एसपी से विवाद में हटे कवर्धा कलेक्टर; कुंदन को सुशासन तिहार में अच्छे प्रदर्शन का इनाम

कवर्धा कलेक्टर गोपाल वर्मा और तत्कालीन एसपी धर्मेंद्र सिंह धवई के बीच चल रहा विवाद मंत्रालय तक पहुंच गया था। कलेक्टर ने एसपी को पत्र लिखकर जिले की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए थे। दोनों के बीच मतभेद चर्चा में रहे।

पहले धर्मेंद्र सिंह को जिले से हटाया गया और अब वर्मा को वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में संयुक्त सचिव बनाया गया है। मुंगेली कलेक्टर कुंदन कुमार को सरकारी कार्यक्रमों, खासकर सुशासन तिहार में बेहतर प्रदर्शन का इनाम मिला है। उन्हें कांकेर जैसे बड़े जिले की जिम्मेदारी दी गई है। रणबीर शर्मा का 6 महीने में तीसरी बार तबादला हुआ है। वे बेमेतरा कलेक्टर के पद से हटने के बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध संचालक बनाए गए थे।

इसके बाद उन्हें समाज कल्याण विभाग का संचालक बनाया गया। अब उन्हें गरियाबंद कलेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विवादों में रहने के बावजूद उन्हें दोबारा कलेक्टर बनाए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक तनुजा सलाम को मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी का कलेक्टर बनाया गया है।

उनकी नियुक्ति के बाद हाल में राज्य प्रशासनिक सेवा से आईएएस बने अधिकारियों के लिए भी कलेक्टर पद पर नियुक्ति की राह खुली है।

बाबा रामदेव बोले- देश के बच्चे-युवा खतरे मेंः रायपुर में कहा- प्रदर्शन करेंगे तो पढ़ेंगे कब; आंदोलन जरूरी, लेकिन अराजकता का समर्थन नहीं

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंचे योग गुरु बाबा रामदेव ने देश में चल रहे आंदोलनों और युवाओं की भूमिका पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश में न हिंदू खतरे में है, न मुसलमान, न सिख, न ईसाई। खतरे में है तो देश का बचपन, देश की जवानी, वर्तमान और भविष्य।

बाबा रामदेव ने कहा कि इस समय देश का सबसे बड़ा मुद्दा बच्चों का भविष्य बचाना है। कुछ लोग छोटे बच्चों का इस्तेमाल आंदोलनों में कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो बच्चा अभी प्राइमरी स्कूल में पढ़ रहा है, आप उसे आंदोलन में धकेल देंगे तो वह पढ़ाई कब करेगा।

उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण और संवैधानिक आंदोलन जरूरी है, लेकिन आंदोलन के नाम पर अराजकता का वे समर्थन नहीं करते।

बाबा रामदेव ने कहा कि जब लोगों को लगता है कि कहीं बहुत ज्यादा अन्याय या अव्यवस्था हो रही है तो लोगों के भीतर आक्रोश पैदा होता है। यही आक्रोश आगे चलकर आंदोलन का रूप लेता है। लेकिन इस आक्रोश को भी लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से व्यक्त किया जाना चाहिए।

बाबा रामदेव ने कहा कि देश की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। इन दोनों क्षेत्रों को लेकर कई गंभीर सवाल हैं, जिनका समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसमें सरकारों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि, यह व्यवस्था किसी एक व्यक्ति के भरोसे नहीं चलती, बल्कि इसमें सभी की भूमिका होती है।

रामदेव ने कहा कि किसी एक व्यक्ति या किसी एक पार्टी के नेता के लिए पूरी व्यवस्था को बदलना संभव नहीं है। इसके लिए समाज, राजनीति और प्रशासन के स्तर पर जागरूकता और मिलकर काम करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि देश के सामने युवाओं, रोजगार, देश के भविष्य, प्रकृति और पर्यावरण से जुड़े कई बड़े मुद्दे हैं। इन सभी समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब जिम्मेदारी वाले सभी लोग मिलकर काम करें और इन मुद्दों को गंभीरता से समझें।

15 साल से सड़क जर्जरःगड्ढों में भरे पानी से नहाए युवा, फिर सड़क पर उतरीं छात्राएं

रायपुर/रायगढ़। सड़क की बदहाली के खिलाफ अब नवापारा में बच्चों ने भी मोर्चा खोल दिया है। राबर्टसन स्टेशन से भालूनारा तक करीब 7.5 किमी सड़क पिछले 15 साल से जर्जर है। लगातार बारिश के बाद सड़क पर जगह-जगह पानी और कीचड़ भर गया है। सोमवार को नवापारा के युवाओं ने गड्ढों में भरे पानी में नहाकर विरोध जताया था।

इसके बाद मंगलवार सुबह नवापारा हाईस्कूल के छात्र-छात्राएं तख्तियां लेकर सड़क पर उतर आए। बच्चों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। मामले की जानकारी मिलने पर खरसिया विधायक उमेश पटेल भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मांग का समर्थन किया।

प्रदर्शन के दौरान बच्चों के हाथों में 'सड़क चाहिए, भीख नहीं, यह हक है कोई एहसान नहीं' और 'फीता काटें और गाड़ी चलाएं' जैसे संदेश लिखी तख्तियां थीं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के लिए उन्होंने सुशासन तिहार से लेकर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों तक हर जगह शिकायत की है।

इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। बारिश के कारण सड़क की हालत अब इतनी खराब हो गई है कि कई हिस्सों में पानी भरने से यह तालाब जैसी दिखाई दे रही है।

राबर्टसन स्टेशन से भालूनारा तक 7.5 किमी सड़क का काम वर्ष 2023-24 के बजट में शामिल किया गया था। ग्रामीणों के अनुसार बाद में यह काम बजट से विलोपित हो गया। इसके बाद निर्माण शुरू नहीं हो सका। अब लोक निर्माण विभाग की ओर से करीब 26 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट में प्रस्ताव भेजने की बात कही जा रही है।

ग्रामीणों का सवाल है कि जब सड़क की हालत वर्षों से खराब है तो निर्माण के लिए उन्हें अब भी बजट का इंतजार क्यों करना पड़ रहा है।

सड़क की मांग को लेकर विरोध लगातार बढ़ रहा है। रविवार को नवापारा के युवाओं ने सड़क के गड्ढों में जमा पानी में नहाकर विरोध जताया था। मंगलवार को हाईस्कूल के छात्र-छात्राओं ने तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क खराब होने का सबसे ज्यादा असर स्कूल आने-जाने वाले बच्चों पर पड़ रहा है, इसलिए अब वे भी अपनी आवाज उठा रहे हैं।

राबर्टसन स्टेशन से भालूनारा तक 7.5 किमी सड़क का काम वर्ष 2023-24 के बजट में शामिल किया गया था। ग्रामीणों के अनुसार बाद में यह काम बजट से विलोपित हो गया। इसके बाद निर्माण शुरू नहीं हो सका।

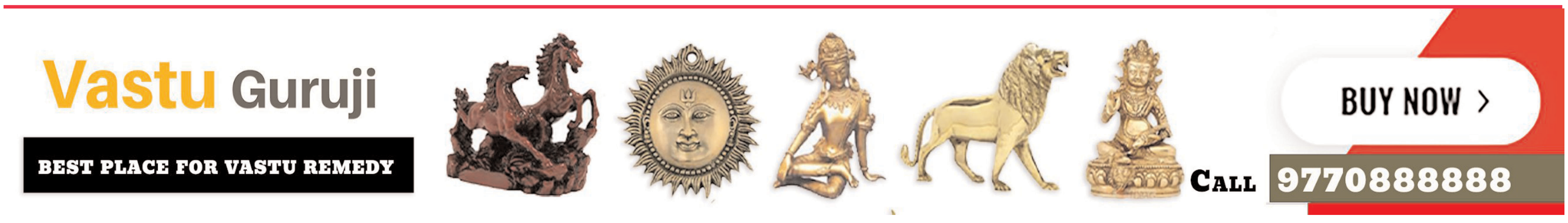

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आत्मविश्वास और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। आपके नेतृत्व कौशल की सराहना होगी, जिससे सहकर्मियों के बीच आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक दृष्टि से समय अनुकूल है — कोई रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। कारोबारियों के लिए निवेश का समय अच्छा रहेगा, लेकिन जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय न लें।

वृषभ। आज का दिन स्थिरता और दृढ़ संकल्प का है। कार्यक्षेत्र में चल रही कठिनाइयाँ धीरे-धीरे कम होंगी। वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। धन संबंधी मामलों में सतर्क रहें — खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है। परिवार में कोई शुभ समाचार मिल सकता है, जिससे घर का माहौल प्रसन्न रहेगा। दांपत्य जीवन में प्रेम और सहयोग बढ़ेगा, वहीं प्रेमी जोड़ों के लिए दिन भावनात्मक रहेगा।

मिथुन। आज आपका रचनात्मक पक्ष उभरकर सामने आएगा। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्य के लिए सम्मान मिल सकता है। विद्यार्थियों के लिए समय श्रेष्ठ है — प्रतियोगी परीक्षा में सफलता की संभावना है। आर्थिक रूप से लाभ के संकेत हैं, लेकिन किसी मित्र को उधार देने से बचें। परिवार में हंसी-खुशी का वातावरण रहेगा। प्रेम जीवन में मधुरता बनी रहेगी,

कर्क। आज भावनात्मक रूप से थोड़ा अस्थिर महसूस कर सकते हैं, इसलिए महत्वपूर्ण निर्णय शांत मन से लें। परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ नया करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक दृष्टि से निवेश का समय अच्छा है, लेकिन जोखिम से बचें। दांपत्य जीवन में प्यार और समझ बढ़ेगी। अविवाहित लोगों के लिए विवाह प्रस्ताव आ सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें — गले या पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है।

सिंह। आज का दिन आपके लिए उपलब्धियों से भरा रहेगा। कार्यस्थल पर मेहनत का फल मिलेगा और नए अवसरों के द्वार खुलेंगे। धन लाभ के योग हैं — पुराना निवेश लाभ देगा। सामाजिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जिससे सम्मान बढ़ेगा। परिवार में स्नेह और सहयोग का माहौल रहेगा। प्रेम जीवन में नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, पर ओवरवर्क से बचें।

कन्या। आज योजनाओं को क्रियान्वित करने का सही समय है। कामकाज में प्रगति होगी और अधूरे काम पूरे होंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन के संकेत हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, पर खर्च बढ़ सकता है। पारिवारिक जिम्मेदारियाँ बढ़ेंगी, लेकिन आप सहजता से निभा लेंगे। प्रेमी जोड़ों के बीच गलतफहमियाँ दूर होंगी। स्वास्थ्य के मामले में नियमित व्यायाम जरूरी है।

शुभ रंग: हल्का नीला

तुला। आज का दिन संतुलन और सामंजस्य का है। कार्यस्थल पर टीमवर्क से अच्छे परिणाम मिलेंगे। व्यवसायियों को साझेदारी से लाभ होगा। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी, पर अनावश्यक खर्चों से बचें। परिवार में खुशियां बढ़ेंगी। प्रेम संबंधों में विश्वास बढ़ेगा, साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएंगे। सेहत में सुधार होगा।

शुभ रंग: बैंगनी

वृश्चिक। आज आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नए कार्य या प्रोजेक्ट की शुरुआत के लिए दिन शुभ है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और रुके हुए कार्य पूरे होंगे। परिवार में किसी सदस्य की उपलब्धि से गर्व महसूस करेंगे। प्रेम संबंधों में नयापन आएगा। सेहत अच्छी रहेगी, लेकिन देर रात तक काम करने से बचें।

शुभ रंग: मरून

शुभ अंक: 9

धनु। आज आपको नई जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा। धन की आवक बनी रहेगी, पर बचत पर ध्यान दें। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। प्रेम संबंध में गहराई आएगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर पुराने दर्द या थकान से राहत मिल सकती है। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए आर्थिक लाभ के संकेत हैं। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा, किसी शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है। प्रेम जीवन में रोमांस और समझदारी दोनों बने रहेंगे।

मकर। आज का दिन प्रगति का संदेश लेकर आया है। आपके अधूरे कार्य पूरे होंगे। नौकरी में पदोन्नति या प्रशंसा मिल सकती है। धन लाभ के योग हैं। परिवार में खुशियां आएंगी। प्रेमी जोड़ों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी। सेहत उत्तम रहेगी।

निवेश से लाभ मिल सकता है। परिवार में कोई छोटा उत्सव हो सकता है, जिससे सभी के बीच आपसी प्रेम बढ़ेगा। प्रेम संबंधों में ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा, जिससे मानसिक संतुलन बना रहेगा।

कुंभ। आज भाग्य आपका साथ देगा। कार्य में सफलता मिलेगी। नया निवेश लाभदायक रहेगा। पारिवारिक जीवन में सामंजस्य रहेगा। प्रेम जीवन में उत्साह और रोमांच बढ़ेगा। सेहत सामान्य रहेगी, पर नींद पूरी लें। उन्हें बेहतर अवसर मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण जरूरी है। पारिवारिक जीवन में शांति और सुकून रहेगा। माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा। प्रेम संबंधों में कुछ गलतफहमियाँ उत्पन्न हो सकती हैं, जिन्हें संवाद से दूर किया जा सकता है।

मीन। आज रचनात्मकता बढ़ेगी। कलाकारों और विद्यार्थियों के लिए दिन उत्तम है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पारिवारिक संबंध मधुर रहेंगे। प्रेम जीवन में साथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

किसी वरिष्ठ व्यक्ति से मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है जो आपके भविष्य के लिए लाभकारी रहेगा। व्यापारियों के लिए नए साझेदारी के अवसर बन रहे हैं। आर्थिक रूप से दिन लाभदायक रहेगा। परिवार में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। किसी धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर मिलेगा। प्रेम जीवन में साथी के साथ गलतफहमियाँ दूर होंगी और संबंधों में मजबूती आएगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

देश के 54 अव्वल स्टेशनों में रांची, टाटानगर व तेतुलमारी

मधुपुर में पानी में मिला ई-कोलाई बैक्टीरिया, धनबाद-कोडरमा और जसीडीह में वाटर कूलर की कमी

रांची। देशभर के चयनित 512 रेलवे स्टेशनों में सिर्फ 54 स्टेशन ही निर्धारित न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं के मानकों पर खरे उतरे हैं। इनमें झारखंड के तीन स्टेशन रांची, टाटानगर और तेतुलमारी स्टेशन शामिल हैं। रिपोर्ट में टाटानगर को एनएसजी-2, रांची को एनएसजी-3 और तेतुलमारी को एनएसजी-5 श्रेणी में रखा है। देश के बाकी 548 स्टेशनों पर बुनियादी सुविधाएं मानकों से कम पाई गई। कैग की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि साउथ ईस्टर्न रेलवे का न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं का स्कोर 29.1 रहा, जो सभी रेलवे जोन में सबसे कम है। यह झारखंड की चिंता बढ़ाने वाली है। सबसे गंभीर मामला मधुपुर स्टेशन पर सामने आया। यहां वाटर कूलर ?से लिए गए पानी के नमूने में ई-कोलाई बैक्टीरिया मिला। यह बैक्टीरिया देश के आठ स्टेशनों के वाटर कूलर के पानी के सैंपल में मिले।

रिपोर्ट में सिर्फ पानी की गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि सुविधाओं की उपलब्धता में भी कमी मिली। धनबाद स्टेशन पर पीने के पानी के नलों और वाटर कूलरों की कमी मिली। कोडरमा में ड्रिंकिंग वाटर टैप्स, वाटर कूलर और साइनेज की कमी दर्ज की गई। वहीं, जसीडीह में पानी के नलों के अलावा सीटिंग, वाटर कूलर और साइनेज की व्यवस्था भी अपर्याप्त पाई गई।

रिपोर्ट में ये खामियां गिनाईं

सफाई व्यवस्था पर्याप्त नहीं, कीट नियंत्रण के भी कई जगह उपाय नहीं

कैग की जांच में साउथ-ईस्टर्न रेलवे के कई स्टेशनों पर सफाई और स्वच्छता व्यवस्था में कमियां भी सामने आईं। पांच स्टेशनों पर कीट और कृंतक नियंत्रण के उपाय नहीं किए गए थे, जबकि चार स्टेशनों पर पेयजल बूथ और वाटर कूलर अस्वच्छ मिले। छह स्टेशनों पर आवारा कुत्तों की मौजूदगी दर्ज की गई। एक स्टेशन पर खानपान स्टॉल के आसपास सफाई नहीं थी। तीन स्टेशनों पर पान-गुटखे के दाग मिले, जबकि दो प्रतीक्षालय और एक फुट ओवरब्रिज अस्वच्छ पाया गया।

कांड्रा में तीन साल से ज्यादा समय से लटके यात्री सुविधा के काम

यात्री सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों की धीमी गति ने भी रेलवे की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। कांड्रा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म का स्तर बढ़ाने, वेटिंग हॉल, टॉयलेट और प्लेटफॉर्म शेल्टर से जुड़े काम तीन साल से अधिक समय से लंबित मिला। मार्च 2024 तक इसकी भौतिक प्रगति 85 प्रतिशत थी। रेलवे के आधिकारिक दस्तावेज में भी इस परियोजना को तीन साल से अधिक विलंबित और 85% पूर्ण बताया गया है। महालीमरूप स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज का काम भी तीन साल से लंबित मिला।

अपर मुख्य सचिव ने संशोधित प्रस्ताव बनाने का दिया निर्देश....: एनएचएम : ईपीएफ का रास्ता साफ, 11 हजार से अधिक कर्मियों को मिलेगा लाभ

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के 11 हजार से अधिक कर्मियों के लिए ईपीएफ का रास्ता साफ होता दिख रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई एनएचएम की समीक्षा बैठक में 15 हजार रुपए से अधिक मानदेय पाने वाले कर्मियों को भी ईपीएफ के दायरे में लाने का प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया। फिलहाल 15 हजार रुपए से कम मानदेय पाने वाले कर्मियों को ही ईपीएफ का लाभ मिल रहा है।

एनएचएम की ओर से बताया गया कि अधिक मानदेय पाने वाले कर्मी वर्तमान व्यवस्था में इससे वंचित हैं। इस पर अपर मुख्य सचिव ने 15 हजार रुपए को बेसलाइन मानते हुए संशोधित प्रस्ताव तैयार करने को कहा। प्रस्ताव लागू होने पर 11 हजार से अधिक कर्मियों को फायदा मिल सकता है। बैठक में अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा समेत विभाग और एनएचएम के कई अधिकारी मौजूद थे।

3124.75 करोड़ का बजट मंजूर

बैठक में बताया गया कि केंद्र ने झारखंड एनएचएम के लिए 3124.75 करोड़ का बजट स्वीकृत किया है। ममता वाहन की वर्तमान भुगतान दर में संशोधन के लिए भी प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया।

खुलेंगे तंबाकू नियंत्रण केंद्र

स्वास्थ्य सेवा को प्रखंड तक मजबूत करने के लिए सीएचसी में तंबाकू नियंत्रण केंद्र शुरू करने की तैयारी है। अभी ये मुख्य रूप से जिला अस्पतालों में संचालित हैं। सीएचसी में आंखों की जांच की सुविधा भी शुरू होगी।

कुष्ठ रोगियों को विशेष चप्पल

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोग और कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम की भी समीक्षा हुई। कुष्ठ रोगियों को विशेष चप्पल देने और दिव्यांगता प्रबंधन सुविधा को रिम्स से सदर अस्पताल व सीएचसी तक विस्तार देने पर चर्चा हुई।

विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली, स्वस्थ रहने का संदेश दिया

बसिया। क्षेत्रीय विकास संस्था प्रदान के सहयोग से प्राथमिक विद्यालय तेतरा में बच्चों के बीच स्वास्थ्य और पोषण को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को स्वास्थ्य, साफ-सफाई और संतुलित आहार के प्रति जागरूक करना था, ताकि बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर तरीके से हो सके। कार्यक्रम के दौरान प्रदान संस्था की प्रतिनिधि मनीषा सारंगी ने कहा कि बच्चों में कम उम्र से ही स्वास्थ्य के प्रति अच्छी आदतें विकसित करना बेहद जरूरी है। इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए इसे तीन चरणों में बांटा गया है। पहले चरण में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली, जिसके माध्यम से गांव के अभिभावकों और आम लोगों को स्वास्थ्य के प्रति संदेश दिया गया। दूसरे चरण में बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसके तहत उन्हें हाथ धोने के सही तरीकों से अवगत कराया गया-विशेष तौर पर खाना खाने से पहले, शौच के बाद, खेलकूद के बाद और फल या सब्जियां काटने से पहले हाथ साफ करना सिखाया गया। साथ ही, सूक्ष्म कीटाणुओं और बैक्टीरिया से बचाव के लिए नियमित रूप से नाखून काटने पर भी जोर दिया गया। ?कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम चरण में बच्चों के लिए स्वास्थ्य और पोषण पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बना चैंपियन

रामगढ़। गोला रोड स्थित रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के वंदना सभागार में मंगलवार को संकुल स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में सफल प्रतिभागियों को विद्यालय प्रबंधन समिति सहित शिक्षकों द्वारा सम्मानित किया गया। 11 अगस्त को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गिद्दी बस्ती में संकुल स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में रामगढ़ जिले के विभिन्न विद्यालयों से चयनित प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुल आठ विद्यालयों के प्रतिभागियों ने विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विज्ञान, वैदिक गणित, संस्कृति बोध, त्वरित भाषण, मूर्ति कला, कथा कथन सहित अनेक विधाओं को शामिल किया गया था। रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, रामगढ़ के भैया-बहनों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक पुरस्कार हासिल किये। विद्यालय के प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय को ओवरऑल चैंपियन घोषित किया गया। इस उपलब्धि पर आयोजित सम्मान समारोह में विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव शंकर लाल अग्रवाल, प्रधानाचार्य प्रवीण सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल थे।

रक्षा मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा, कैंट क्षेत्र में चार मंजिला भवन निर्माण हो सकेगा

रामगढ़। देश की आजादी से पहले 1941 में लागू हुए बिल्डिंग बायलॉज के कारण दशकों से ऊंची इमारतों के निर्माण पर लगी रोक अब खत्म होने की उम्मीद है। जी हां, रामगढ़ कैंटोनमेंट बोर्ड के त+1 बिल्डिंग बायलॉज को बदलकर त+4 करने का प्रस्ताव तैयार कर रक्षा मंत्रालय को भेजा गया है। अब मंजूरी और गजट जारी होने के बाद कैंट क्षेत्र में ग्राउंड फ्लोर के ऊपर चार मंजिल तक भवन निर्माण का रास्ता खुल सकता है। इससे करीब 15 हजार मकानों वाले कैंट क्षेत्र में अपार्टमेंट, मॉल और बड़े कॉमर्शियल भवनों के निर्माण को गति मिलने की उम्मीद है। बता दें कि कुछ वर्ष पहले निर्वाचित वार्ड सदस्यों ने बोर्ड की बैठक से बिल्डिंग बायलॉज संशोधन का प्रस्ताव पारित कर रक्षा मंत्रालय को भेजा था। अब संशोधन की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। देश के अन्य कैंट क्षेत्रों में भी बिल्डिंग बायलॉज में बदलाव के बाद गजट जारी होने से रामगढ़ में नए नियम की उम्मीद बढ़ी है। 1941 से G+1 तक ही निर्माण की मंजूरी रामगढ़ कैंटोनमेंट बोर्ड की स्थापना 1941 में हुई थी। उसी दौर में लागू भवन निर्माण नियम आज भी मूल रूप में चले आ रहे हैं। उस समय क्षेत्र की आबादी कम थी, जबकि वर्तमान में रामगढ़ की आबादी 1.20 लाख से अधिक हो चुकी है। बढ़ती आबादी और बदलती जरूरतों के बीच त+1 की सीमा को शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में बड़ी बाधा के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि कैंट क्षेत्र के वार्ड 5 में पतरातू बस्ती की सीमा से सटे नगर परिषद क्षेत्र में बहुमंजिला अपार्टमेंट और बड़े भवन दिखाई देते हैं। लेकिन कैंट क्षेत्र में मौजूदा नियमों के कारण ऐसी ऊंची इमारतों के नक्शे को मंजूरी नहीं मिलती। प्रस्तावित G+4 बायलॉज लागू होने पर दोनों क्षेत्रों के बीच निर्माण की ऊंचाई का यह अंतर कम होने की उम्मीद है। कमांड ऑफिस लखनऊ से बिल्डिंग बायलॉज संशोधन का प्रस्ताव मांगा गया था। G+4 का प्रस्ताव तैयार कर भेजा गया है। फिलहाल संशोधन के ड्राफ्ट की प्रक्रिया चल रही है। उम्मीद है कि नया बायलॉज मिलने से रामगढ़ शहर के विकास को गति मिलेगी और बोर्ड के टैक्स में भी बढ़ोतरी होगी। - विवेक सिंह, सीईओ, कैंटोनमेंट बोर्ड रामगढ़

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

			3				6	
	6	4			1		2	
			5					
	2	3		5		6		
		9	8		3	7		
		8		9		1	4	
					9			
	1		4			8	9	
	5				7			

पिछले अंक का उत्तर

1	4	8	3	2	9	5	6	7
5	9	7	6	1	4	3	2	8
3	2	6	5	7	8	9	4	1
4	8	1	9	3	5	2	7	6
7	6	5	4	8	2	1	9	3
2	3	9	7	6	1	8	5	4
8	7	2	1	5	6	4	3	9
9	1	3	2	4	7	6	8	5
6	5	4	8	9	3	7	1	2

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

धरमपुर बूथ का मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

पबिया। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति और तैयारियों का जायजा लेने के लिए झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मंगलवार को नारायणपुर प्रखंड के धर्मपुर स्थित बूथ संख्या 147 का निरीक्षण किया। उन्होंने बूथ पर चल रहे कार्यों की बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कर्मियों से विभिन्न बिंदुओं पर पूछताछ की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण से जुड़े कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने दस्तावेजों के सत्यापन की स्थिति जानी। उन्होंने गणना प्रपत्रों की स्थिति देखी। उन्होंने मतदाताओं से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी ली। उन्होंने कर्मियों से अब तक किए गए कार्य की जानकारी प्राप्त की। के. रवि कुमार ने कहा कि निर्वाचन संबंधी कार्य में पारदर्शिता और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। पात्र मतदाताओं का नाम सूची में शामिल करने की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की जाए।

वर्ल्डकप में भारतीय विमेंस हॉकी टीम की सबसे बड़ी जीत: साउथ अफ्रीका को 6-1 से हराया, 52 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

भारत ने विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका को 6-1 से हरा दिया। टीम इस जीत के साथ पुल-ष्ठ के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई है। टॉप-8 में पहुंचने के लिए टीम को आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ खेलना होगा। हारने कि स्थिति में चीन के खिलाफ साउथ अफ्रीका के जीत की दुआ करनी होगी।

भारत की यह जीत विमेंस वर्ल्ड कप में उसकी अब तक की सबसे बड़ी जीत है। भारतीय महिलाओं ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे बड़ी जीत 1974 में स्पेन के खिलाफ दर्ज की थी। तब भारतीय विमेंस टीम ने 4-1 से जीत हासिल की थी।

एम्सटेलवीन में खेले गए पूल-ष्ठ के मुकाबले में पहले क्वार्टर में सुनेलिता टोप्पो ने गोल कर भारत का खाता खोला। इसके बाद नवनीत कौर और सुशीला चानू के गोल से भारत ने 3-0 से बढ़त बनाई। फिर दीपिका, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने गोल कर स्कोर 6-0 कर दिया। साउथ अफ्रीका के लिए एकमात्र गोल डी वाल कायला ने 55वें मिनट में किया।

भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत भी तेज की। 17वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार गोल किया। उन्होंने एंगल बदलते हुए लो और तेज शॉट लगाया, जिसे साउथ अफ्रीकी गोलकीपर रोक नहीं सकीं। इसके साथ भारत की बढ़त 2-0 हो गई।

इसके बाद भारत ने साउथ अफ्रीका पर दबाव बनाए रखा। लगातार सर्कल एंट्री और तेज पासिंग के जरिए भारतीय टीम गोल के मौके बनाती रही। 24वें मिनट में भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले।

25वें मिनट में भारत ने तीसरा गोल किया। दीपिका के ड्रैगफ्लिक को साउथ अफ्रीका की पहली रशर से डिफ्लेक्शन मिला और गेंद सुशीला के पास पहुंची। सुशीला ने मौके का फायदा उठाते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। भारत ने 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली।भारत इसके बाद भी लगातार अटैक करता रहा। 27वें मिनट में टीम को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। दीपिका के ड्रैगफ्लिक को गोलकीपर ने बचाया, लेकिन रिबाउंड पर भी भारत ने दबाव बनाए रखा। भारत ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट चीन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला था। भारत ने उस मैच में दो बार बढ़त बनाई, लेकिन चीन ने दोनों बार वापसी की। नवनीत कौर और दीपिका ने भारत के लिए गोल किए थे।

चीन के खिलाफ भारत ने मैच के 8वें मिनट में नवनीत के गोल से बढ़त बनाई थी। इसके बाद दीपिका ने 25वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को फिर आगे किया था।

दोनों टीमों का स्क्वॉड

भारत: सलीमा टेटे (कप्तान), इशिका चौधरी, निक्की प्रधान, बिचू देवी खरीबाम (गोलकीपर), सविता (गोलकीपर), शिल्पी डबास, लालरेमसियामी, दीपिका सोरेंग, बलजीत कौर, इशिका, ज्योति, नवनीत कौर, सुशीला चानू पुखरंबम, सुनेलिता टोप्पो, नेहा, रुतुजा दादासो पिसल, लालथंतलुआंगी, साक्षी राणा, ब्यूटी डुंगडुंग, दीपिका।

साउथ अफ्रीका: ओन्थातिले जुलु (कप्तान), मॉर्गन डी जगर (गोलकीपर), स्टेफनी बोथा, एडिथ मोलिकोए, तहीरा ऑगस्टी, अने जानसे वान वुरेन, शाना मेंडोंका, बियांका वुड, न्त्सोपा मोकोएना, पेरिस-गेल आइजैक्स, लेराटो माहोले, बेयली एंगेल्के, केलिन मारी, हन्ना पियर्स, ओन्गोजिवे माली, लाइकेन ब्रिसेट, जीन-लेघ डु टॉइट, नोमसा म्जिजी, कैलीन डेन बक्कर, कायला डी वाल, मार्लिस वान टोंडर (गोलकीपर)।

विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 ग्रुप-D का पॉइंट्स टेबल

रैंक	टीम	मैच	जीत	ड्रॉ	हार	गोल अंतर	पॉइंट्स
1	भारत	2	1	1	0	5	4
2	चीन	2	1	1	0	2	4
3	इंग्लैंड	2	1	0	1	2	3
4	साउथ अफ्रीका	2	0	0	2	-9	0

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 300 अंक गिरकर 76,900 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी 100 अंक टूटा; मेटल-ऑटो शेयरों में बिकवाली

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार, 19 अगस्त को गिरावट का दौर जारी है। सेंसेक्स करीब 300 अंक टूटकर 76,900 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 100 अंकों की गिरावट है और यह 24,050 के स्तर पर आ गया है। बाजार में मेटल और ऑटो शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिल रही है। निवेशकों के सतर्क रुख और कमजोर वैश्विक संकेतों का असर घरेलू बाजार पर दिखाई दे रहा है।

गाजा अल्टरनेटिव एसेट मैनेजमेंट का IPO बुधवार से निवेशकों के लिए खुल गया है। कंपनी इस इश्यू के जरिए 550 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। IPO में निवेशक 21 अगस्त तक बोली लगा सकेंगे। बाजार में गिरावट के बीच इस नए इश्यू पर निवेशकों की नजर बनी हुई है।

घरेलू बाजार के साथ एशियाई बाजारों में भी कारोबार मिला-जुला रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 363 अंक गिरकर 6,491 पर कारोबार करता दिखा, जबकि जापान का निक्केई 1,736 अंक टूटकर 65,724 पर आ गया। वहीं हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 16 अंक की मामूली बढ़त के साथ 25,487 पर रहा।

18 अगस्त को अमेरिकी बाजारों में भी गिरावट रही। डाउ जोन्स 116 अंक गिरकर 53,343, नैस्डैक 355 अंक टूटकर 26,290 और **S&P** 500 53 अंक की गिरावट के साथ 7,692 पर बंद हुआ।

चांदी 5,772 गिरकर 2.27 लाख किलो पर आई: 10 ग्राम सोने का दाम 1,196 कम होकर 1.53 लाख हुआ

सोने-चांदी की कीमतों में 19 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 5,772 रुपए गिरकर 2.27 लाख रुपए पर आ गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,196 रुपए कम होकर 1.53 लाख रुपए पर है।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट के 2 मुख्य कारण

मुनाफावसूली: पिछले 10-15 दिनों में सोना-चांदी में अच्छी तेजी आई थी। जब कीमतें ऊपर चढ़ती हैं तो कई निवेशक और ट्रेडर्स अपना मुनाफा निकाल लेते हैं। इससे बाजार में बिकवाली बढ़ जाती है और दाम गिरने लगते हैं। यह सामान्य प्रक्रिया है।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी: ब्रेंट क्रूड तेल 91 के ऊपर चल रहा है। तेल महंगा होने से दुनिया भर में महंगाई बढ़ने का डर पैदा होता है। महंगाई बढ़ेगी तो अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरें ऊंची रख सकता है या बढ़ा भी सकता है। ऊंची ब्याज दरें सोने के लिए नकारात्मक होती हैं।

इस साल सोने-चांदी में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 20 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं चांदी की कीमत में 3 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.27 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

सिंकफील्ड कप: प्रज्ञानानंदा मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराया: 5 अंक के साथ वेस्ली सो के संयुक्त टॉप पर पहुंचे

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने सिंकफील्ड कप के 8वें दौर में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (स्क्रूरु) को हरा दिया। काले मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानानंदा ने 27 चालों में मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के बाद उनके 5 अंक हो गए हैं और वे अमेरिका के वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंच गए हैं।

वेस्ली सो से बराबरी, एक राउंड बाकी

राउंड-8 के बाद प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के 5-5 अंक हैं। दोनों संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव 4.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि फैबियानो कारुआना और स्क्रूरुके 4-4 अंक हैं। अब टूर्नामेंट में सिर्फ एक राउंड बाकी है।

प्रज्ञानानंदा और स्क्रूरु के बीच मुकाबले की शुरुआत रुई लोपेज ओपनिंग से हुई। प्रज्ञानानंदा ने काले मोहरों से खेलते हुए शुरुआती दौर में स्थिति को संतुलित रखा। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे बढ़त मिली और 27वीं चाल के बाद स्क्रूरु ने मुकाबला छोड़ दिया।

सिंकफील्ड कप ग्रैंड चेस टूर के रेगुलर सीजन का आखिरी टूर्नामेंट है। इसके बाद टूर के टॉप-4 खिलाड़ी ग्रैंड फिनाले में खेलेंगे। 8 राउंड के बाद 5 अंक के साथ प्रज्ञानानंदा फाइनल की रेस में मजबूत स्थिति में पहुंच गए हैं।

प्रज्ञानानंदा ने इस टूर्नामेंट में अब तक 3 जीत, 4 ड्रा और एक हार दर्ज की है। उनका एकमात्र नुकसान तीसरे दौर में जर्मनी के विंसेंट केमर के खिलाफ आया था। सिंकफील्ड कप 10 खिलाड़ियों का 9 राउंड का टूर्नामेंट है। राउंड-8 के बाद वेस्ली सो और आर प्रज्ञानानंदा 5-5 अंक के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। जावोखिर सिंदारोव और विंसेंट केमर 4.5-4.5 अंक के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। फैबियानो कारुआना, लेवोन एरोनियन, मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव और सैम सेवियन के 4-4 अंक हैं।

अब सिर्फ एक राउंड बाकी है। इसलिए आखिरी राउंड में खिताब की रेस बेहद रोचक होगी। प्रज्ञानानंदा और वेस्ली सो के बीच सिर्फ आधे अंक का नहीं, बल्कि बराबरी का मुकाबला है; दोनों के 5-5 अंक हैं। वहीं 4.5 अंक वाले सिंदारोव और केमर भी खिताब की रेस में बने हुए हैं।

चीन की ग्रैंडमास्टर तान झोंगयी ने केर्न्स कप शतरंज टूर्नामेंट के 8वें राउंड में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा को हराकर अपने अंक 6.5 कर लिए।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप- उन्नति और लक्ष्य पहला मैच जीते: त्रिसा-गोपीचंद की जोड़ी अगले दौर में

नई दिल्ली। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में लक्ष्य ने रोमानिया के कॉलिन्स फिलिमोन को 16-21, 21-8 और 21-4 से हराया। जबकि, विमेंस सिंगल्स में उन्नति हुड्डा ने म्यांमार की थेत हमतार थुजार को 22-20, 21-16 से हराया।

अगले दौर में लक्ष्य का मैच स्विट्जरलैंड के टोबियास कुंजी और अमेरिका के गैरेट टैन के विजेता से होगा। उन्नति का मैच कनाडा की 19वीं वरीय खिलाड़ी मिशेल ली से होगा। विमेंस डबल्स में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी ने राउंड ऑफ 32 के मैच में अमेरिका की लॉरेन लैम और एलिसन ली को 21-15, 21-12 से हराया। जबकि, कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी को बुल्गारिया की गैब्रिएला स्टोएवा और स्टेफानी स्टोएवा के खिलाफ 7-21, 14-21 की पराजय झेलनी पड़ी।

मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की भारतीय जोड़ी को कनाडा के जोनाथन बिंग त्सान लाई और क्रिस्टल लाई ने 20-22, 21-19, 21-17 से 1 घंटे 8 मिनट में हराया।

वीनस विलियम्स को र ओपन का वाइल्ड कार्ड: सेरेना के लिए एक जगह रोकी, 46 की उम्र में फिर उतरेंगी

7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को यूएस ओपन के विमेंस सिंगल्स मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। टूर्नामेंट ने एक और वाइल्ड कार्ड की घोषणा रोक रखी है।

यह जगह उनकी छोटी बहन और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स को मिल सकती है। सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए टेनिस में वापसी की थी।

46 साल की उम्र में र ओपन खेलेंगी वीनस

46 साल की वीनस पिछले साल भी वाइल्ड कार्ड के जरिए र ओपन में खेली थीं। उन्होंने 2023 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन के अनुसार, वीनस 1981 में 47 साल की उम्र में खेलने वाली रेनी रिचर्ड्स के बाद यूएस ओपन सिंगल्स में उतरने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

वीनस ने 2000 और 2001 में **US** ओपन का सिंगल्स खिताब जीता था। इसके अलावा उन्होंने 5 विंबलडन सिंगल्स खिताब भी अपने नाम किए हैं। हालांकि, मौजूदा समय में उनकी सिंगल्स फॉर्म अच्छी नहीं है। वह जुलाई 2025 से अपने पिछले 14 **WTA** सिंगल्स मैच हार चुकी हैं।

सेरेना ने विंबलडन में की थी वापसी

44 साल की सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए वापसी की थी। यह 2022 र ओपन के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के सिंगल्स ड्रॉ में उनका पहला मैच था। हालांकि, उन्हें पहले ही राउंड में हार मिली थी। इसके बाद उन्होंने फिट रहने पर टेनिस खेलना जारी रखने की इच्छा जताई थी। अब **US** ओपन के लिए एक विमेंस वाइल्ड कार्ड की घोषणा बाकी है। अगर सेरेना न्यूयॉर्क में खेलने का फैसला करती हैं तो उन्हें यह जगह मिल सकती है।

एशियन ओपन में भारत ने दूसरे दिन जीते 11 मेडल: इनमें 4 गोल्ड-2 सिल्वर शामिल ,19 मेडल के साथ टॉप पोजिशन बरकरार

देहरादून। देहरादून में चल रही एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी 2026 के दूसरे दिन भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा रहा। मंगलवार को भारतीय खिलाड़ियों ने 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज समेत कुल 11 मेडल अपने नाम किए। इसके साथ ही प्रतियोगिता में भारत के कुल मेडल की संख्या 19 हो गई है।

दूसरे दिन भारत का सबसे शानदार प्रदर्शन जूनियर स्न गर्ल्स 222 मीटर और जूनियर स्न बॉयज 222 मीटर में रहा। दोनों ही रेस में भारत ने गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज तीनों मेडल अपने नाम किए। जूनियर स्न गर्ल्स में जीएस ब्रधिशा ने गोल्ड, समायरा त्यागी ने सिल्वर और अमायरा शाह ने ब्रॉन्ज जीता। वहीं जूनियर स्न बॉयज में इवान अरोड़ा ने गोल्ड, युवराज मेहता ने सिल्वर और शिवांश अहेर ने ब्रॉन्ज अपने नाम किया।

दोनों दिन मेडल जीतने वाले 5 भारतीय

भारत के लिए अब तक सबसे ज्यादा 2-2 मेडल जीतने वाले 5 खिलाड़ी हैं। जीएस ब्रदिशा ने 17 अगस्त को जूनियर स्न गर्ल्स 333 मीटर में गोल्ड और 18 अगस्त को 222 मीटर में भी गोल्ड जीता। आर्यन सुजीत बाविस्कर ने 17 अगस्त को जूनियर श्व बॉयज 500 मीटर और 18 अगस्त को 333 मीटर में गोल्ड अपने नाम किया।

इवान अरोड़ा ने पहले दिन जूनियर स्न बॉयज 333 मीटर में सिल्वर और दूसरे दिन 222 मीटर में गोल्ड जीता। युवराज मेहता ने पहले दिन 333 मीटर में गोल्ड और दूसरे दिन 222 मीटर में सिल्वर हासिल किया। वहीं समायरा त्यागी ने दोनों दिन सिल्वर जीते, पहले दिन जूनियर स्न गर्ल्स 333 मीटर और दूसरे दिन 222 मीटर में।

संस्कृति विभाग द्वारा मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026 के लिए 31 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

चयनित कलाकारों को मिलेंगे प्रतिवर्ष 12 से 24 हजार रुपये तक प्रोत्साहन राशि

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक कला एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और कलाकारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय द्वारा मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026 के अंतर्गत प्रदेश के लोक कलाकारों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। योजना का उद्देश्य पारंपरिक लोक कलाओं को संरक्षित एवं प्रोत्साहित करना, कलाकारों का सम्मान बढ़ाना तथा कला दलों के सतत विकास को नई गति प्रदान करना है।

योजना के अंतर्गत नृत्य-संगीत, लोक नाट्य, लोकगाथा, छत्तीसगढ़ी गीतकार, वाद्ययंत्र वादक, शिल्प कलाकार, छत्तीसगढ़ी पाक कला (पारंपरिक व्यंजन) तथा छत्तीसगढ़ी सौंदर्यकला (श्रृंगार) से जुड़े कलाकार आवेदन कर सकते हैं। आवेदन निर्धारित प्रारूप में पंजीकृत डाक के माध्यम से भेजे जाएंगे। आवेदन प्रपत्र विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं तथा संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय, नया रायपुर स्थित कार्यालय से भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

योजना के तहत पात्र कलाकारों का चिन्हारी पोर्टल में पंजीयन अनिवार्य होगा। चयनित कलाकारों को प्रतिवर्ष न्यूनतम 12 हजार रुपये से अधिकतम 24 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि ई-पेमेंट के माध्यम से प्रदान की जाएगी। यह राशि एक वित्तीय वर्ष में एक बार प्रदान की जाएगी।

योजना का लाभ केवल ऐसे कलाकारों को मिलेगा जिनकी सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय 96 हजार रुपये से अधिक नहीं है। इसके लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। आवेदन के साथ बैंक खाते का विवरण, आईएफएससी कोड तथा पैन कार्ड की छायाप्रति भी प्रस्तुत करनी होगी।

प्रविष्टियां भेजने का पता -

संचालक, संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, व्यावसायिक परिसर,
द्वितीय तल, सेक्टर-27, नया रायपुर, अटल नगर (छत्तीसगढ़) - 492018

प्रविष्टियां प्राप्त होने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन भेजते समय लिफाफे पर मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026 स्पष्ट रूप से अंकित करना आवश्यक होगा। प्राप्त प्रविष्टियों का परीक्षण समिति द्वारा किया जाएगा तथा समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना प्रदेश की समृद्ध लोक कला परंपराओं के संरक्षण, कलाकारों के सम्मान और आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से लोक कलाकारों को न केवल आर्थिक सहयोग मिलेगा, बल्कि अपनी कला को व्यापक पहचान दिलाने और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर भी प्राप्त होगा।

विकास योजनाओं को मिले गति, निर्माण कार्य समय-सीमा में हों पूर्ण : केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू

रायपुर। सांसद लोकसभा क्षेत्र बिलासपुर एवं केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने आज गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, पात्र हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा करते हुए श्री साहू ने स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और उनकी आय में वृद्धि के लिए स्थानीय संसाधनों एवं संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा हितग्राहियों को आवास निर्माण में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसी तरह व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों के लंबित कार्यों को भी प्राथमिकता से पूरा करने कहा। पीएम जनमन योजना के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनाए जा रहे संपर्क मार्गों की समीक्षा करते हुए उन्होंने विभागीय समन्वय से निर्माण में आ रही बाधाओं का शीघ्र निराकरण करने और सड़कों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

साहू ने जिले में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले की विशिष्ट पहचान विष्णुभोग धान-चावल की उत्पादकता बढ़ाने, प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने तथा बेहतर विपणन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास करने कहा, ताकि किसानों को स्थानीय उत्पाद का अधिक लाभ मिल सके।

स्वच्छता की समीक्षा के दौरान उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में नियमित कचरा संग्रहण और स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छता सर्वेक्षण से संबंधित वास्तविक एवं अद्यतन जानकारी पोर्टल पर दर्ज कराने पर भी विशेष जोर दिया।

सिंचाई, स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष ध्यान

जिले में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए जल निकायों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। श्री साहू ने पशुओं को संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए सघन टीकाकरण अभियान चलाने, कुपोषित बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के लिए प्रभावी प्रयास करने तथा टीबी उन्मूलन और मलेरिया नियंत्रण के लिए विभागीय स्तर पर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने जिले में शत-प्रतिशत पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने पर भी विशेष जोर दिया।

तसर पालन से बीजापुर के ग्रामीणों की बढ़ेगी आय

रायपुर । छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तसर (कोसा) पालन को बढ़ावा देने के लिए भैरमगढ़ के कोसा बीज केंद्र में ग्रामीणों और हितग्राहियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इस पहल के तहत अर्जुन और साजा के 5,000 पौधे तैयार किए गए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों के लिए रोजगार और आय के नए साधन बनेंगे।

बीजापुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में तसर पालन को बढ़ावा देने और हितग्राहियों की आय बढ़ाने के लिए शासन की स्वस्थ डिम्ब समूह वितरण योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के तहत मिन्कापल्ली, कोत्तापल्ली, गुदमा और भैरमगढ़ क्षेत्र के रेशम हितग्राहियों को 10 हजार स्वस्थ तसर डिम्ब समूह वितरित किए गए हैं। इस पहल से ग्रामीण परिवारों को तसर पालन के माध्यम से अतिरिक्त आय और रोजगार का अवसर मिलेगा।

योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को लगभग 1.40 लाख रुपये की शासकीय सब्सिडी का लाभ मिला है। स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण डिम्ब समूह मिलने से हितग्राही बेहतर तरीके से तसर पालन कर सकेंगे। इससे कम लागत में अधिक और गुणवत्तापूर्ण कोसा उत्पादन प्राप्त करने की संभावना बढ़ेगी।

स्वस्थ डिम्ब समूह एसएमटीसी, चेन्नूर (तेलंगाना) से प्राप्त कर हितग्राहियों को उपलब्ध कराए गए हैं। रेशम विभाग के तकनीकी विशेषज्ञ हितग्राहियों को तसर पालन की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दे रहे हैं। उन्हें डिम्ब समूहों की देखभाल, कीट प्रबंधन, पौधों की सुरक्षा और तसर पालन के विभिन्न चरणों के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

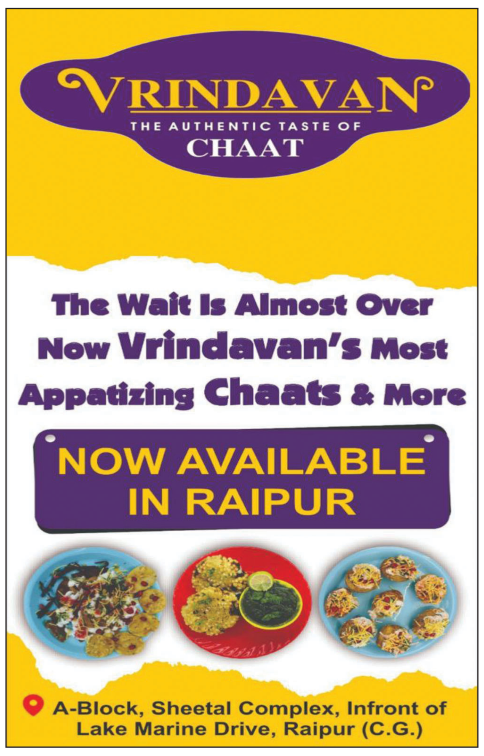

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684